



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 184]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 2, 2010/आषाढ़ 11, 1932

No. 184]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 2, 2010/ASADHA 11, 1932

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 2010

अंतिम जांच परिणाम

विषय : मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम से डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच का अंतिम जांच परिणाम ।

फा. सं. 14/16/2009-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे आगे नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

2 यतः ऑप्टिकल डिस्क मैनु, वेलफेयर एसोसिएशन (ओडीएमडब्ल्यूए), नई दिल्ली (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) ने सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, पाटनरोधी शुल्क का निर्धारण एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे आगे नियम कहा गया है) के अनुसार मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) (जिसे आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है और संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए पाटनरोधी जांच शुरू करने का अनुरोध किया है । नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों के दूतावासों को पूर्णतः प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में सूचित कर दिया गया था ।

3. और यतः घरेलू उद्योग की ओर से आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने, जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, नियमावली में उप-नियम 6(1) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए 5 मई, 2009 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया ।

क. सामान्य

4. प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त जांच की शुरुआत को अधिसूचित करने वाली सार्वजनिक सूचना को जारी करने के बाद इस जांच के संबंध में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है :-

- (i) दिनांक 5 मई, 2009 को निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने उपर्युक्त नियमों के अनुसार मलेशिया, थाईलैंड तथा वियतनाम (जिन्हें आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क-रिकार्डबल (डीवीडी-आर तथा डीवीडी-आरडब्ल्यू) के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए एक सार्वजनिक सूचना सं. 14/16/2009-डीजीएडी जारी की जिसे भारत में राजपत्र में प्रकाशित किया गया पाटन की कार्यवाही मै. ऑप्टीकल डिस्क मैन्यू. वेलफेयर एसो. (ओ डी एम डब्ल्यू ए), नई दिल्ली (जिसे आगे आवेदक कहा गया है) से प्राप्त एक आवेदन के बाद शुरू की गई थी। आवेदन में उक्त उत्पाद के पाटन तथा उससे हुई वास्तविक क्षति का साक्ष्य निहित था जिसे कार्रवाई की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त माना गया था।
- (ii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार जांच शुरुआत की कार्रवाई से पूर्व आवेदक द्वारा प्रस्तुत पूर्णतः प्रलेखित आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- (iii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 5.5.09 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियां भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों, उपलब्ध पतों के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत की अधिसूचना की तारीख से 40 दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- (iv) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार, आवेदक के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई।
- (v) नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत के बारे में नई दिल्ली स्थिति संबद्ध देशों के दूतावासों को इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे निर्धारित अवधि के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी निर्यातकों के नाम और पतों के साथ संबद्ध देशों के दूतावासों को भेजी गई थी।
- (vi) प्राधिकारी ने नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मांगने के लिए प्रश्नावलियां भेजी।
- (vii) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में वियतनाम के एक निर्यातक मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड ने सूचना प्रस्तुत की है। संबद्ध देशों के अन्य निर्यातकों ने प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर नहीं किए हैं और उन्हें असहयोगी माना गया है।

- (viii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों तथा प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली की प्रति भी भेजी गई थी ।
- (ix) उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में किसी भी आयातक ने प्रश्नावली का जवाब नहीं दिया है ।
- (x) वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 अप्रैल, 2008 से मार्च, 2009 (12 माह) की है । तथापि, क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2005-मार्च, 06, अप्रैल, 2006-मार्च, 2007, अप्रैल, 2007-मार्च, 2008 की अवधि और जांच अवधि शामिल है ।
- (xi) डीजीसीआईएंडएस ने पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयात के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था परंतु आंकड़े प्राप्त नहीं हुए हैं । इस जांच परिणाम में इंपैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त आंकड़ों पर भरोसा किया गया है;
- (xii) सामान्यतः स्वीकृत लेख सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की इष्टतम लागत तथा उसे बनाने और बेचने की लागत का अनंतिम रूप से आकलन किया गया था ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा;
- (xiii) प्राधिकारी ने 13 नवंबर, 2009 की अधिसूचना सं. 14/16/2009-डी जी ए डी के तहत प्रारंभिक जांच परिणाम अधिसूचित किए और हितबद्ध पक्षकारों से यह अनुरोध किया कि वे अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर प्राधिकारी को अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं । तत्पश्चात् 22 दिसंबर, 2009 और 26 फरवरी, 2010 को क्रमशः शुद्धि पत्र 1 और शुद्धि पत्र 2 जारी किया गया था ।
- (xiv) केन्द्र सरकार ने 12 अप्रैल, 2010 की अधिसूचना सं. 48/2010-डी जी ए डी के तहत अनंतिम शुल्क लागू किया था ।
- (xv) प्राधिकारी ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे, सामान्य मूल्य और नियमानुसार पाटन मार्जिन निर्धारित करने के लिए सहयोगी निर्यातक अर्थात् रीटेक, वियतनाम कंपनी लि., वियतनाम के आंकड़ों का सत्यापन भी किया ।
- (xvi) प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों की मौखिक सुनवाई करने के लिए दिनांक 9.2.2010 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाले पक्षकारों से यह अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर करें । सार्वजनिक सुनवाई में केवल घरेलू उद्योग ने भाग लिया था और बाद में उसने लिखित अनुरोध प्रस्तुत किए थे ।
- (xvii) प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना से पूर्व हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, जिन्हें प्रारंभिक जांच परिणामों में प्रकाशित किया गया है, को संक्षिप्तता की वजह से यहां दोहराया नहीं गया है । तथापि, प्रारंभिक जांच परिणामों की अधिसूचना के बाद प्राधिकारी के समक्ष हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों पर इस जांच परिणाम में समुचित कार्रवाई की गई है ।

- (xviii) प्राधिकारी ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में वियतनाम के निर्यातक/उत्पादक रिटेक वियतनाम कंपनी लि. द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और सूचना का सत्यापन करवाया। सत्यापन रिपोर्ट पर निर्यातक से प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में उचित कार्रवाई की गई है।
- (xix) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन 21 जून, 2010 को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में उचित विचार किया गया है।
- (xx) *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

ख. विचाराधीन

5. विचाराधीन उत्पाद "सभी प्रकार की रिकॉर्डेबल डिजीटल वर्सेटाइल डिस्क (डीवीडी)" है जिसका मलेशिया, थाइलैंड और वियतनाम के निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में पाटन किया जा रहा है। डीवीडी अनेक प्रकार की हो सकती है जैसे कि डीवीडी-आर, डीवीडी +आर, डीवीडी -आरडब्ल्यू, डीवीडी +आरडब्ल्यू, मिनी डीवीडी-आर, मिनी डीवीडी-आरडब्ल्यू। डीवीडी को एक बार या कई बार रिकार्ड किया जा सकता है।

डीवीडी-आर तथा डीवीडी + आर डिस्क एक तरफ या दोतरफा हो सकती है। एकतरफा (एसएस) डिस्क में एकतरफ रिकार्डिंग होती है और दूसरी तरफ डमी होती है जबकि दोतरफा (डीएस) डिस्क में दोनों तरफ रिकार्डिंग होती है। डीवीडी-आर तथा डीवीडी+आर की रिकार्डिंग वाली तरफ अनेक पतों की एक सेंडविच है।

- मास्ट्रिंग : आप्टिकल डिस्क के लिए मास्टर तैयार करने की प्रक्रिया को आम तौर पर "मास्ट्रिंग" कहा जाता है जिसमें अंतिम चरण पर निकल या इसी प्रकार के धात्विक मास्टर अर्थात् "स्टाम्पर" को तैयार किया जाता है। परवर्ती मोल्डिंग प्रक्रिया में मोल्ड के रूप में स्टाम्पर के उपयोग से अनेकों आप्टिकल डिस्क को तैयार किया जाता है।
- मोल्डिंग: सर्वप्रथम पोलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तरह होती है जिसमें अंदर से लेकर डिस्क के बाहरी व्यास तक हल्की स्पायरल ग्रूब होती है।
- डाई कोटर: इस भाग में रिक्त सतह पर एक कार्बनिक डाई रिकॉर्डिंग पर (एजैडओ) लगाई जाती है। यह परत रिकार्डिंग परत के रूप में कार्य करती है। डाई का उपयोग डीसी स्पटरिंग के जरिए स्पिन कोटिंग तथा धातु की परतों के माध्यम से किया जाता है।
- स्पटर (धात्विकरण): डिस्क पर धातु की एक चमकदार परत (चांदी) लगाई जाती है।

- बॉन्डिंग: तत्पश्चात् एक आसंजक द्वारा दोनों रिकॉर्डिंग तरफों (दोतरफा हेतु) या एक रिकॉर्डिंग तथा डमी की तरफ (इकतरफा हेतु) को अंतिम डिस्क में जोड़ दिया जाता है। कुछेक इकतरफा डिस्कों को भी अलंकरणों या अतिरिक्त लेयरों के साथ डमी की तरफ सबसे ऊपर लगा दिया जाता है जिससे उसकी सतह इंकजेट, थर्मल ट्रांसफर या रिट्रांसफर प्रिंटरों द्वारा लेवलिंग करने के लिए उपर्युक्त बन जाती है। बॉन्डिंग एक हॉट मेल्ट, यू वी कैशनिंग या फ्री रेडिकल प्रोसेस के उपयोग से की जाती है।
- प्रिंटिंग: तत्पश्चात् प्रिंटिंग की जाती है और डिजाइन का उपयोग स्क्रीन प्रिंटिंग पद्धति से किया जाता है।
- डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आरडब्ल्यू की संरचना: डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आरडब्ल्यू डिस्क पर सूचना को न केवल लिखने अपितु कई बार पुनः लिखने की संरचना डीवीडी-आर तथा डीवीडी+आर (रिकॉर्डेबल) की संरचना से अधिक जटिल होती है। रिकॉर्डेबल डिस्क के समान ही कोई रिराइटेबल डिस्क एकतरफा या दोतरफा हो सकती है। किसी रिराइटेबल डिस्क की रिकॉर्डिंग वाली तरफ में भी एक पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तह जो हल्की स्पाइरल ग्रूव से लगाई जाती है से लेकर डिस्क के अंदरूनी या बाहरी व्यास तक अनेक परतों का उपयोग किया जाता है।

6. तत्पश्चात् डाई इलेक्ट्रिक परत (जिग सल्फाइट तथा सिलिकॉन डाई ऑक्साइड) लगाई जाती है जिसके बाद फेज-चेंज अलॉय रिकॉर्डिंग परत (इंडियम, चांदी, टेलूरियम तथा एंटीमनी या जर्मेनियम, टेलूरियम तथा एंटीमनी में से कोई भी), एक अन्य डाई इलेक्ट्रिक परत तथा धातु की एक चमकदार परत (चांदी, सिल्वर अलॉय, एल्यूमिनियम) लगाई जाती है। डाई इलेक्ट्रिक परतों के ऊपर या नीचे अतिरिक्त परतें (जर्मेनियम नाइट्राइट, सिलिकॉन कार्बाइड, सिलिकॉन डाई ऑक्साइड, सिलिकॉन नाइट्राइट, जिंक सल्फाइट, एंटीमनी टेल्यूराइट तथा अन्य) भी लगाई जा सकती हैं।

7. डमी की तरफ धातु की अतिरिक्त परत के साथ कई बार एक प्लैट पॉलीकार्बोनेट प्लास्टिक की तरह लगा दी जाती है। तत्पश्चात् एक आसंजक द्वारा दोनों तरफों को एक डिस्क में चिपका दिया जाता है।

8. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु का तात्पर्य ऐसी किसी वस्तु से है जो विचाराधीन उत्पाद से हर प्रकार से समान तथा समनुरूप है अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में दूसरी ऐसी वस्तु से है जिसकी विशेषताएं जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं।

9. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों के मूल या वहां से निर्यातित वस्तु के "समान वस्तु" है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित रिकॉर्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डीवीडी) भौतिक, रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग के संबंध में तुलनीय, तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है।

अतः जांच के प्रयोजनार्थ आवेदक द्वारा उत्पादित रिकॉर्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डीवीडी) तथा संबद्ध देशों से आयातित रिकॉर्डेबल डिजिटल वर्सेटायल डिस्क (डीवीडी) को पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर समान वस्तु माना जा रहा है ।

10. यह उत्पाद आईटीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण संख्या 8523 के अंतर्गत वर्गीकृत है । संबद्ध उत्पाद का आयात निम्नलिखित उपशीर्षकों के साथ सीमाशुल्क वर्गीकरण के अध्याय 8523 के अंतर्गत किया जा रहा है:

85232920, 85232950, 85232970, 85234040, 85234050, 85234060; 8523480, 8523409, 85238090, 85235290, 85238050, 85239010, 85239040, 85239050 तथा 85239090.

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

11. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस पहलू के बारे में कोई अनुरोध दायर नहीं किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

12. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने विचाराधीन उत्पाद के मुद्दे पर कोई तर्क नहीं दिया है । अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु के समान है ।

ग घरेलू उद्योग का आधार तथा क्षेत्र

13. घरेलू उद्योग के आधार के बारे में नियम 2(ख) में निम्नानुसार उल्लेख है :

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में ऐसे उत्पादकों को घरेलू उद्योग का भाग नहीं माना जाएगा ।

हितबद्ध पक्षकारों के विचार

14. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने घरेलू उद्योग के रूप में आवेदक के आधार के बारे में कोई तर्क नहीं दिया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

15. मै. आर्टीकल डिस्क मैनु वेल्फेयर एसो., नई दिल्ली ने घरेलू उद्योग की ओर से टी पी एम कन्सलटेंट्स, नई दिल्ली के जरिए याचिका दायर की है। उपलब्ध सूचना के अनुसार मै. मोजरबेयर इंडिया लि. जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि आवेदक के पास नियमावली के नियम 5(3)(क) के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु याचिका दायर करने का अपेक्षित आधार है और वह नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग है।

घ.1 सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन का निर्धारण

सामान्य मूल्य

वियतनाम के निर्यातकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार

16. घरेलू उद्योग के विचार

(क) संबद्ध देशों में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु निम्नलिखित आधार बन सकता है।

- (i) निर्यातक देश के घरेलू बाजार ने समान वस्तु की व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में कीमत
- (ii) निर्यातक देश अथवा क्षेत्र अथवा किसी उचित तीसरे देश से निर्यातित समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत
- (iii) प्रशासनिक, बिक्री एवं सामान्य लागत तथा लाभ हेतु उचित अभिवृद्धि के साथ उद्गम के देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत

(ख) वर्तमान मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु 3 विकल्प उपलब्ध हैं।

- (i) मलेशिया पर आधारित सामान्य मूल्य
- (ii) भारत के लिए कीमत लागत पर आधारित सामान्य मूल्य

(ग) बेचने की वास्तविक लागत निर्धारित करने के लिए वियतनाम में उत्पादन लागत में चीनी टाईपेई में किए गए व्यय में उचित अभिवृद्धि करने की जरूरत है।

- (घ) वियतनाम गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और उसे समस्त निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए यही माना जाना चाहिए ।
- (ङ) मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लि. कार्यकलापों का संचालन करता है और उसके पास वियतनामी कंपनी पर वास्तविक नियंत्रण है । अतः बेचने की वास्तविक लागत निर्धारित करने के लिए वियतनाम में उत्पादन लागत में चीनी टाईपेई में किए गए व्यय में उचित अभिवृद्धि करने की जरूरत है ।
- (च) निर्यातकों की ओर से सहयोग के अभाव में मलेशिया और थाईलैंड के सामान्य मूल्य की गणना नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर की जानी चाहिए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

17. जांच शुरुआत के चरण पर प्राधिकारी ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (2) के अनुसार वियतनाम को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मानते हुए कार्यवाही की थी । जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने इस देश के उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी कि वे जांच शुरुआत संबंधी सूचना का उत्तर दें और बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के निर्धारण हेतु संगत सूचना प्रदान करें ।

18. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) में निर्धारित मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का खंडन किया है । समस्त ज्ञात निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं । प्राधिकारी ने वियतनाम सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वे अपने देश के उत्पादकों/निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दें । केवल एक निर्यातक अर्थात् रीटेक वियतनाम कंपनी लि. ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दायर किया ।

19. प्रारंभिक जांच परिणामों में यह उल्लेख किया गया था कि रीटेक वियतनाम को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे पर निर्णय एम ई टी प्रश्नावली के उत्तर में कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के बाद ही लिया जाएगा । तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि रीटेक वियतनाम कंपनी लि. को ईरान, मलेशिया, कोरिया आर ओ के, थाईलैंड, यू ए ई तथा वियतनाम से कॉम्पैक्ट डिस्क- रिकार्डबल (सी डी - आर) के मामले में दिनांक 6.3.2009 के प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/9/2007-डी जी ए डी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा पहले ही प्रदान किया जा चुका है । इस मामले में जांच अवधि अप्रैल, 2006 से 30 जून, 2007 तक की थी। आगे यह नोट किया जाता है कि वर्तमान कार्रवाई में जांच अवधि अप्रैल, 2008 से मार्च, 2009 की है जो बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किए जाने की अवधि से बाद की है ।

20. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने 9 अक्टूबर, 2009 के अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/16/2008-डी जी ए डी के तहत सिरेमिक टाइल्स के मामले में इस संबंध में दृष्टिकोण

अपना लिया गया है जिसके अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी ने उन कंपनियों की नए सिरे से जांच करने का निर्णय लिया है जिन्हें कुछ अन्य जांचों में बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान किया गया है और ऐसी कंपनियों को अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ बाजारी सिद्धांतों के अनुसार कार्य करते हुए पाया गया है (उक्त जांच परिणाम का पैरा 20 जो उत्पादन/निर्यातक फोसान सनसुई समिट सिरैमिक कंपनी लि. तथा सनसुई न्यू पर्ल बिल्डिंग (उत्पादक)- फोशान न्यू पर्ल ट्रेड कंपनी लि. तथा फोसान समिट कंगजियान सिरैमिक्स कंपनी लि. (निर्यातक) ।

21. वर्तमान मामले में निर्यातक/उत्पादक रीटेक वियतनाम को दिनांक 6.3.2009 के अंतिम जांच परिणाम के द्वारा उपर्युक्त सी डी - आर के मामले में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान किया जा चुका है । इसके अलावा, भारत सरकार ने हाल ही में वियतनाम को द्विपक्षीय रूप से 25.10.2009 को हस्ताक्षरित एम ओ यू के जरिए पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश स्वीकार किया है । इन तथ्यों के होते हुए भी रीटेक वियतनाम और एम ई टी के निम्नलिखित पहलुओं की जांच निर्यातक के सत्यापन के दौरान की गई थी ।

- (क) जहां तक स्वामित्व का संबंध है, कंपनी रीटेक वियतनाम 100% विदेशी निवेश वाली कंपनी है और निवेश स्कोर हाई ग्रुप की ओर से किया गया है । अतः इस कंपनी में राज्य का कोई शेयर नहीं है ।
- (ख) राज्य के नियंत्रण/हस्तक्षेप के पहलू की भी जानकारी नहीं मिली है क्योंकि बोर्ड में राज्य को कोई प्रतिनिधित्व नहीं है । समूचे निदेशक मंडल में आर सी टी, ताईवान, जिसके पास रीटेक, वियतनाम का प्रचालनात्मक नियंत्रण है, के प्रतिनिधि हैं ।
- (ग) रीटेक, वियतनाम द्वारा एल जी, सेबिक, सीवा आदि से आर सी टी, ताईवान के जरिए आयातित प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् पोली कार्बोनेट सहित कच्ची सामग्री का आयात किया जाता है जो एक प्रतिष्ठित बहु-राष्ट्रीय कंपनी है । इससे कच्ची सामग्री की कीमत में राज्य के हस्तक्षेप के अभाव का पता चलता है ।
- (घ) विद्युत अमाटा पावर से ली जाती है जो एक निजी और असंबद्ध कंपनी है ।

उपर्युक्त स्थिति को देखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि उत्पादक/निर्यातक रीटेक, वियतनाम बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों के अनुसार प्रचालन कर रहा है ।

सामान्य मूल्य

मै. रिटेक वियतनाम कं. लि. के लिए सामान्य मूल्य

22. प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग ने निम्नानुसार अनुरोध किए हैं

रिटेक का सामान्य मूल्य- घरेलू उद्योग ने कंपनी की उत्पादन लागत के सही निर्धारण का मुद्दा उठाया है। इस संबंध में बताया गया है कि निम्नलिखित बातें संगत हैं :

क. कच्ची सामग्री की कीमत - प्रकटन विवरण में इस बात की पुष्टि की गई है कि निर्यातक ने अत्यंत अपूर्ण सूचना उपलब्ध कराई है। यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक है कि निर्यातक पर यह दायित्व था कि वह प्रश्नावली के उत्तर के साथ दूरवर्ती सौदे के बारे में संगत साक्ष्य उपलब्ध कराए। निर्यातक ने केवल इस तथ्य की वजह से संगत सूचना प्रदान न करने का स्पष्ट विकल्प चुना कि इस लागत को कंपनी ने कमतर बताया है।

ख. परिसंपत्ति का मूल्य (मूल्य ह्रास लागत) - घरेलू उद्योग द्वारा बार-बार यह मुद्दा उठाया जा रहा है कि रिटेक, वियतनाम में सूचित की जा रही संपत्ति का मूल्य इस तथ्य के मद्देनजर अंकित मूल्य नहीं माना जा सकता कि मशीनों का वस्तुतः क्रय रिटेक ताईवान ने किया है और उसे रिटेक वियतनाम को उपलब्ध कराया गया है। निर्यातक से यह अपेक्षा की गई थी कि वह इस बात की पुष्टि करे कि परिसंपत्ति में उचित बाजार मूल्य का कैसे पता चलता है। मूल्यह्रास की लागत पर प्रभाव को देखते हुए ऐसा निर्धारण महत्वपूर्ण है।

ग. ब्याज लागत- इस तथ्य के मद्देनजर कि परिसंपत्तियों की खरीद हेतु ऋण ताईवान की संबद्ध कंपनी द्वारा लिया जाना चाहिए था, ब्याज लागत की पुष्टि सही ढंग से की जानी अपेक्षित है। ऐसे मामलों में ब्याज लागत कंपनी द्वारा व्यय की गई लागत और मूल कंपनी में दर्ज लागत पर विचार करते हुए ली जाती है।

प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक की ओर से उठाए गए मुद्दे

23. मै. रिटेक वियतनाम कं. लि. ने प्रकटन विवरण का उत्तर दिया है और उनके द्वारा किए गए मुख्य-मुख्य अनुरोध संक्षेप में निम्नानुसार हैं :

(i) जहां तक यह सिद्ध करने की जरूरत के बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अभिमत का संबंध है कि उनकी संबद्ध कंपनियों के साथ किए गए सौदे दूरवर्ती आधार पर हैं, कंपनी ने यह बताया है कि उत्तर देने के लिए उन्हें अनुमत समय

पर्याप्त नहीं था और यह सिद्ध करने के लिए बीजकों की संख्या के बारे में किसी मार्गदर्शी सिद्धांत के अभाव में कंपनी संगत बीजकों की केवल कुछ प्रतियां ही प्रस्तुत कर सकी कि समस्त संबद्ध सौदे दूरवर्ती आधार पर किए गए हैं। अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य की गणना हेतु कंपनी द्वारा प्रस्तुत वास्तविक लागत को स्वीकार न करने का कोई कारण नहीं है। यदि प्राधिकारी अभी भी संतुष्ट नहीं हैं तो वह ताईवान में वास्तविक सत्यापन कर सकते हैं।

- (ii) जहां तक डी वी डी आर के उत्पादन हेतु कच्ची सामग्री का संबंध है, यह उल्लेख किया जाता है कि एक कच्ची सामग्री (चांदी) की बिक्री को त्रुटिपूर्ण ढंग से कच्ची सामग्री की कुल खपत में शामिल किया गया था और चूंकि कंपनी द्वारा बेची गई चांदी के ब्यौरे अब प्रस्तुत कर दिए गए हैं इसलिए प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे बेची गई चांदी की लागत को पूर्व में प्रस्तुत कुल खपत में से घटाकर डी वी डी आर/ सी डी आर के उत्पादन हेतु चांदी की खपत लागत पर विचार करें।
- (iii) जहां तक डी वी डी आर और सी डी आर के बीच मूल्यहास के आवंटन का संबंध है, यह उल्लेख किया गया है कि प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए प्रत्यक्ष श्रम का आधार सही नहीं है क्योंकि दोनों उत्पादों का उत्पादन पूंजी गहन है न कि श्रमगहन। इसके अलावा, प्राधिकारी ने इस आशय का विवरण देने का आधार नहीं बताया है कि डी वी डी आर के विनिर्माण में शामिल प्रयास और प्रक्रिया सी डी आर के लिए अपेक्षित प्रक्रिया से लगभग दोगुनी है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी उनके अपने उत्पादन अनुपात के आधार पर डी वी डी आर तथा सी डी आर के बीच मूल्यहास का आवंटन कर सकते हैं।
- (iv) जहां तक बिक्री लागत के 5% की दर से वित्तीय व्यय को जोड़ने का संबंध है, यह उल्लेख किया गया है कि कानून अथवा तर्कशास्त्र में निर्यातक के वास्तविक वित्तीय ढांचे की उपेक्षा करने और सैद्धांतिक अथवा काल्पनिक वित्तीय संरचना के आधार पर अभिवृद्धियां करने की कोई गुंजाईश नहीं है। इसके अलावा, माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए यह अपेक्षित है कि वह निर्यातक द्वारा की गई वास्तविक लागत पर विचार करें। वित्तीय प्रबंधन का यह एक स्वीकृत सिद्धांत है कि कंपनी की सर्वोत्तम पूंजी संरचना ऐसी होनी चाहिए जिसमें पूंजी की समग्र लागत को लाभप्रदता को अधिकतम बनाने के लिए उपयोग में लाया जाए। सामान्य व्यापार की प्रक्रिया में अत्यंत कम अथवा कोई ऋण स्वीकार्य होता है और हर हालत में अलग-अलग फर्म का यह एकमात्र निर्णय होता है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी को किसी सैद्धांतिक अभिवृद्धि को अमल में

लाए बिना निर्यातक द्वारा किए गए वास्तविक वित्तीय व्यय पर विचार करना चाहिए ।

- (v) जहां तक लागत के 5% की दर से लाभप्रदता लेने का संबंध है, यह उल्लेखनीय है कि निर्यातक और उसकी मूल कंपनी को घाटा हुआ है, संबद्ध वस्तु सहित इसी प्रकार के व्यापार के प्रचालन पर मूल कंपनी ने वस्तुतः लाभ कमाया है, प्राधिकारी द्वारा विचारित लाभ निश्चित तौर पर अधिक होगा । अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह सी एन वी के प्रयोजनार्थ 3% की दर से लाभ प्रदान करने पर विचार करे क्योंकि दक्षिण पूर्व एशिया में व्यापार सामान्यतः बड़ी मात्राओं में 2 से 3% के लाभ पर किया जाता है ।

- (vi) जांच अवधि के दौरान औसत दैनिक दर के आधार पर 17605.93 वी एन डी प्रति एम डा. की वर्तमान विनिमय दर पर स्वीकार किया जाए ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

24. निर्यातक का सत्यापन उचित सूचना देने के बाद जून, 2010 के प्रथम सप्ताह में किया गया था। आशा की गई थी कि कंपनी सत्यापन के स्थान पर अपने सौदों के समर्थन में समस्त संगत दस्तावेज प्रस्तुत करेगी । तथापि, सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि कच्ची सामग्री और पूंजी वस्तु के अधिकांश भाग की खरीद संबद्ध पक्षकारों से की गई थी । संबंधित निर्यातक पर यह निर्भर था कि वह अपने इस दावे के समर्थन में समस्त आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए कि समस्त संबद्ध पक्षकार के सौदे दूरवर्ती आधार पर किए गए हैं । इसके अलावा, कंपनी को जारी सत्यापन रिपोर्ट में यह उल्लेख किया गया है कि कंपनी संगत बीजक प्रस्तुत कर दूरवर्ती सौदों को सिद्ध करने पर सहमत हुई है । तथापि, कंपनी ने उसके द्वारा चुने गए कुछेक चुनिंदा नमूना बीजकों की प्रतियां उपलब्ध कराई गई हैं । दूरवर्ती आधार पर संबद्ध पक्षकारों के सौदों के बारे में अपने दावे के समर्थन में कंपनी द्वारा प्रस्तुत बीजकों का मूल्य संबद्ध पक्षकारों के साथ हुए कुल सौदों की तुलना में नगण्य था । निर्यातक द्वारा की गई बीजकवार खरीद और संबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई तदनुरूपी खरीद के बारे में ब्यौरों के अभाव में प्राधिकारी के लिए कंपनी के दावे का सत्यापन करना कठिन होगा । यद्यपि, सत्यापन रिपोर्ट जारी होने के बाद 15 दिन से अधिक का समय बीत गया है और निर्यातक तथा उसकी मूल कंपनी के पास लेखांकन की कंप्यूटरीकृत प्रणाली है । इसलिए, निर्यातक ने अपने दावे का सिद्ध करने के लिए ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए हैं ।

25 सत्यापन के समय कंपनी ने यह सूचित नहीं किया था कि खपत के आंकड़ों में चांदी की बिक्री भी शामिल है । इस संबंध में यह उल्लेखनीय है कि अप्रस्तुत आंकड़ों से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान चांदी की *** इकाई की खरीद संबद्ध कंपनी से की गई है जिसमें से चांदी की *** इकाई (***) की बिक्री उसी संबद्ध कंपनी को की गई है । निर्यातक द्वारा अब प्रस्तुत ब्यौरों के अनुसार अनुरोध है कि उन्होंने परिशिष्ट-5 के अनुसार *** इकाई

की तुलना में चांदी की केवल *** इकाई की ही खपत की है । इसके अलावा, रिकॉर्ड में संबद्ध पक्षकार से चांदी की भारी मात्रा की खरीद करने हेतु निर्यातक के लिए कारण उपलब्ध कराने और पुनः उसकी बिक्री उसी संबद्ध पक्षकार को करने के बारे में रिकॉर्ड में कुछ भी उपलब्ध नहीं है । सत्यापन रिपोर्ट में प्राधिकारी के इस अभिमत के उत्तर में कि डी वी डी आर के लिए खपत का पृथक मूल्य उपलब्ध नहीं कराया गया है, निर्यातक ने यह बताया है कि डी वी डी आर हेतु मदवार खपत का ब्यौरा उपलब्ध कराया गया था जिसे कंपनी की ई आर पी प्रणाली में अलग से बुक किया गया है । तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सत्यापन के समय ऐसा कोई ब्यौरा प्रस्तुत नहीं किया गया था और कंपनी ने अभी सी डी आर तथा डी वी डी के लिए अलग-अलग कच्ची सामग्री के खपत के ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं । अतः प्राधिकारी रिकॉर्ड से सत्यापन के अभाव में निर्यातक के उपर्युक्त दावे को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है ।

26. जहां तक डी वी डी आर और सी डी आर के बीच मूल्यहास के आवंटन का संबंध है, यह उल्लेखनीय है कि प्राधिकारी का यह मत है कि प्रत्यक्ष श्रम प्रत्यक्ष मशीनी घंटे से संबद्ध है क्योंकि मशीनों का संचालन श्रमिकों द्वारा किया जाता है और इसलिए डी वी डी आर तथा सी डी आर हेतु अपेक्षित मशीनी घंटों अथवा उत्पादन चक्र के अभाव में प्रत्यक्ष श्रम अनुपात को अपनाने में कुछ भी गलत नहीं है । निर्यातक ने यह सिद्ध करने के लिए कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया है कि दोनों उत्पादों के विनिर्माण में खपत होने वाला वास्तविक समय क्या है । उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डी वी डी - आर का उत्पादन चक्र समय सी डी आर की तुलना में लगभग दोगुना है । उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी उत्पादन अनुपात को अपनाकर मूल्यहास की प्रति इकाई लागत के आवंटन में डी वी डी आर तथा सी डी आर दोनों को वास्तविक बराबर तरजीह प्रदान करने के निर्यातक के अनुरोध को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं हैं ।

27. जहां तक डी वी डी आर को आबंटित व्यय की तुलना में वित्तीय व्यय हेतु 5% की अभिवृद्धि का संबंध है, यह उल्लेखनीय है कि यह सर्वविदित तथ्य है कि इक्विटी निधि की लागत उधार की निधियों की लागत से अधिक होती है और वर्तमान मामले में समूची पूंजी परिसंपत्ति प्रवर्तक कंपनी के अंशदान के जरिए प्रदत्त इक्विटी द्वारा हासिल की गई थी । इसके अलावा, इस तथ्य के कारण कि अधिकांश खरीद और बिक्री संबद्ध पक्षकारों के जरिए की गई थी, कंपनी ने अत्यंत कम कार्यशील पूंजी ऋण उधार लिया था । पाटनरोधी नियमों के अनुसार प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ उत्पादक द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के आधार पर लागत का सामान्य निर्धारण करना अपेक्षित होता है बशर्ते ऐसे रिकॉर्ड में उत्पादन एवं वस्तु की बिक्री से संबद्ध लागत का उचित प्रदर्शन होता हो और एस जी ए तथा लाभ हेतु उचित अभिवृद्धि की गई हो ।

28. प्राधिकारी ने परंपरानुसार उचित लाभ प्रदान करने के लिए बिक्री की 5% लागत की अनुमति दी है । प्राधिकारी ने ओआंडा.कॉम के अनुसार अम. डॉ. = वी एन डी 17094.14 की औसत विनिमय दर स्वीकार की है ।

29. उपर्युक्त के मदेनजर प्राधिकारी ने यह पाया है कि प्रकटन विवरण में उसके द्वारा प्रस्तावित सामान्य मूल्य में कोई परिवर्तन अपेक्षित नहीं है। जहां तक रीटेक वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य का संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कंपनी द्वारा जांच अवधि के दौरान वियतनाम में संबद्ध वस्तु की कोई घरेलू बिक्री नहीं की गई है। मौके पर सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया था कि निर्यातक द्वारा अपने खुद के समूह की कंपनियों/प्रवर्तकों से सामग्री/पूँजी वस्तु की खरीद की गई थी। कंपनी से इस आशय का साक्ष्य उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था कि ये सौदे दूरवर्ती आधार पर किए गए हैं और ये प्रचलित बाजारी स्थितियों के अनुरूप थे। इस संबंध में जारी सत्यापन रिपोर्ट में भी यह सूचना दी गई थी कि सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में यह बताया गया था कि कच्ची सामग्री के संबंध में नमूना बीजक एकत्र किए जा रहे हैं और उन्हें प्रस्तुत किया जाएगा। लेकिन कुछ मशीनों की खरीद के संबंध में एकमात्र बीजक प्रस्तुत किया गया था। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना की है जिसमें सत्यापित सीमा तक निर्यातक की उत्पादन लागत शामिल है। अतः रीटेक वियतनाम के लिए सामान्य मूल्य की गणना *** अम. डॉ./ 1000 नगों के लिए की गई है।

वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

30. असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य वही लिया गया है जैसा कि मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लिमिटेड के लिए निर्धारित किया गया है।

मलेशिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

31. मलेशिया के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरुआत संबंधी सूचना का न तो उत्तर नहीं दिया है और न ही सामान्य मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है। निर्यातकों की ओर से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने मलेशिया के सभी निर्यातकों को असहयोगी माना है और प्रारंभिक जांच परिणाम के सतर के समान मलेशिया के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण का प्रस्ताव किया है, प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है। पॉलीकार्बोनेट जो एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत घरेलू उद्योग की लागत के रूप में ली गई है। (वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार मलेशिया को आयातों के लिए पॉलीकार्बोनेट की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी अधिक हैं)। अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों, कच्ची सामग्रियों की पद्धति, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को उसी रूप में लिया गया है जैसा कि भारत में घरेलू उद्योग की हैं। इसमें वित्तीय लागत और 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है ताकि सामान्य मूल्य का परिकलन किया जा सके। इस कार्य पद्धति द्वारा मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

सामान्य मूल्य	क्रेक बॉक्स	बो ओ एस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी -आरडब्ल्यू	कोई आयात नहीं	कोई आयात नहीं

थाईलैंड के प्रतिवादी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

32. थाईलैंड के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी सूचना का न तो उत्तर नहीं दिया है और न ही सामान्य मूल्य के बारे में सूचना उपलब्ध कराई है । निर्यातकों की ओर से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने थाईलैंड के सभी निर्यातकों को असहयोगी माना है और प्रारंभिक जांच परिणाम के सतर के समान थाईलैंड के सभी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण का प्रस्ताव किया है, प्राधिकारी ने नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य परिकलित किया है । पॉलीकार्बोनेट जो एक प्रमुख कच्ची सामग्री है, की कीमत घरेलू उद्योग की लागत के रूप में ली गई है । (वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार थाईलैंड को आयातों के लिए पोलिकार्बोनेट की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी अधिक हैं) । अन्य कच्ची सामग्री की कीमतों, कच्ची सामग्रियों की पद्धति, उपयोगिताओं और परिवर्तन लागत को उसी रूप में लिया गया है जैसा कि भारत में घरेलू उद्योग की हैं । इसमें वित्तीय लागत और 5% की दर से लाभ जोड़ा गया है ताकि सामान्य मूल्य का परिकलन किया जा सके । इस कार्य पद्धति द्वारा मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य निम्नानुसार निर्धारित किया गया है ।

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

सामान्य मूल्य	क्रेक बॉक्स	बो ओ एस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी -आरडब्ल्यू	कोई आयात नहीं	कोई आयात नहीं

घ.2 निर्यात कीमत

33. घरेलू उद्योग के विचार

- (क) जहां तक वियतनाम का संबंध है, याचिकाकर्ता ने अनुरोध किया है कि निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु प्राधिकारी चीनी टाईपेई में निर्यातक द्वारा किए गए एस जी ए व्यय हेतु वास्तविक राशि की जांच करें ।

(ख) घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से यह भी अनुरोध किया था कि वह इस बात की जांच करें कि कार्यकलापों का संचालन कौन करता है और वियतनामी कंपनी पर वास्तविक नियंत्रण किसका है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

वियतनाम

मै. रिटेक वियतनाम कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

34. वियतनाम की मै. रिटेक वियतनाम कं. लि. ने सहयोग किया है और भारत को हुए निर्यातों के सौदेवार ब्यौरे उपलब्ध कराए हैं । भारत को निर्यातों के सौदेवार ब्यौरों का सत्यापन किया गया है और जांच अवधि के दौरान भारत को हुए निर्यातों के भारित औसत सी आई एफ मूल्य की गणना *** अम. डॉ./ 000 नग के रूप में की गई है । समुद्री भाड़े, हैंडलिंग एवं निकासी, बीमा (***) %, बैंक प्रभार (***) % के लिए विधिवत सत्यापित समायोजनों पर निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए विचार किया गया है । इस प्रकार बी ओ एस पैकिंग के लिए कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** अम. डॉ./ 000 नग के रूप में किया गया है । (वियतनाम से आयात केवल बी ओ एस पैकिंग में हुए हैं)

वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

35. वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण जांच अवधि के दौरान रीटेक वियतनाम कंपनी लि. की न्यूनतम निर्यात कीमत के आधार पर किया गया है । तदनुसार वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए सी आई एफ निर्यात कीमत की गणना *** अम. डॉ./ 000 नग के रूप में की गई है । सहयोगी निर्यातक, रीटेक, वियतनाम के लिए विधिवत सत्यापित समायोजनों को उपर्युक्तानुसार निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए अपनाया गया है । अतः वियतनाम के असहयोगी निर्यातकों के लिए कारखाना स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण बी ओ एस पैकिंग के लिए *** अम. डॉ./ 000 नग के रूप में किया गया है ।

मलेशिया के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

36. चूंकि मलेशिया के किसी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है और किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने 13 नवंबर, 2009 की प्रारंभिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/16/2009- डी जी ए डी में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित निर्यात कीमत के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया है । इसलिए प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ मलेशिया के

निर्यातकों की वही निवल निर्यात कीमत अपनाते हैं। अतः मलेशिया के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है :-

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

सामान्य मूल्य	क्रेक बॉक्स	बो ओ एस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी -आरडब्ल्यू	कोई आयात नहीं	कोई आयात नहीं

थाईलैंड के असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

37. चूंकि थाईलैंड के किसी निर्यातक ने सहयोग नहीं किया है और किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने 13 नवंबर, 2009 की प्रारंभिक जांच परिणाम संबंधी अधिसूचना सं. 14/16/2009- डी जी ए डी में प्राधिकारी द्वारा निर्धारित निर्यात कीमत के बारे में कोई अनुरोध नहीं किया है। इसलिए प्राधिकारी अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ थाईलैंड के निर्यातकों की वही निवल निर्यात कीमत अपनाते हैं। अतः थाईलैंड के सभी निर्यातकों के लिए निवल निर्यात कीमत निम्नानुसार निर्धारित की गई है :-

मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में

सामान्य मूल्य	क्रेक बॉक्स	बो ओ एस
डीवीडी-आर	***	***
डीवीडी -आरडब्ल्यू	कोई आयात नहीं	कोई आयात नहीं

घ.3 पाटन मार्जिन

38. इस आशय का पर्याप्त साक्ष्य है कि संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

39. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत के आधार पर पाटन मार्जिनों का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :-

वियतनाम**मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में**

	रिटेक	असहयोगी निर्यातक
सामान्य मूल्य	***	***
निर्यात कीमत	***	***
पाटन मार्जिन	29.75	50.51
पाटन मार्जिन (%)	30.10	64.09

मलेशिया**मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में**

	डीवीडी आर		भारित औसत
	बीओएस	क्रेक बॉक्स	
सामान्य मूल्य	***	***	***
निर्यात कीमत	***	***	***
पाटन मार्जिन	37.53	(21.79)	35.92
पाटन मार्जिन (%)	36.14	(13.18)	34.05

थाइलैंड**मूल्य अम.डॉ. प्रति 000 नगों में**

	डीवीडी आर
	बीओएस
सामान्य मूल्य	***
निर्यात कीमत	***
पाटन मार्जिन	25.98
पाटन मार्जिन (%)	22.51

इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन पर्याप्त और न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

ड. क्षति निर्धारण हेतु कार्य पद्धति और कारणात्मक संबंध की जांच

40. जहां तक क्षति एवं कारणात्मक संबंध का प्रश्न है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम और प्रकटन विवरण के बाद याचिकाकर्ता से इतर किसी अन्य पक्षकार ने इस संबंध में कोई अनुरोध नहीं किया है। अतः प्राधिकारी क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध के बारे में अपने प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं। तदनुसार प्राधिकारी क्षति एवं कारणात्मक संबंध का अंतिम निर्धारण निम्नानुसार करते हैं :-

ड.1 क्षति निर्धारण

41. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए समूचे आयातों को पाटित आयात माना गया है।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

42. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

- (क) विचाराधीन उत्पाद के आयातों में समग्र रूप में और भारत में उत्पादन की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
- (ख) प्रस्तावित जांच अवधि के भीतर भी प्रति माह औसत आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- (ग) आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है। परिणामतः आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का ह्रास हो रहा है।
- (घ) यद्यपि इस अवधि में क्षमता, उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई है, तथापि, इन मापदंडों में वृद्धि उत्पाद के संबंध में पूर्व में प्रत्याशित मांग में पर्याप्त वृद्धि के परिणामस्वरूप हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सा गंवाया है।
- (ङ) आयातों के कारण उत्पन्न हुए अत्यधिक कीमत दबाव की वजह से इस अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में अत्यधिक गिरावट आई है।
- (च) इस अवधि में निवेश पर आय और नकद प्रवाह में भी अत्यधिक गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को नकारात्मक आय का सामना करना पड़ा है।
- (छ) घरेलू उद्योग के पास मालसूचियों में भारी वृद्धि हुई है।
- (ज) इस बात पर विचार करते हुए कि बिक्री कीमत में कमी का एकमात्र कारण आयात कीमतों में गिरावट है, घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों की वजह से हो रही है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

43. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचारों को नोट किया है और अनंतिम क्षति निर्धारण एवं कारणात्मक संबंध के विश्लेषण के प्रयोजनार्थ इन जांच परिणामों में अनिवार्य कारकों की जांच की है ।

ड.2 क्षति का संचयी निर्धारण

44. नियमावली के अनुबंध II (iii) के अनुसार यदि एक से अधिक देश से हुए किसी उत्पाद के आयात की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी के लिए केवल उस स्थिति में ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का निर्धारण अपेक्षित होता है जब वह यह निर्धारित करे कि :-

- (क) अलग-अलग देशों से हुए आयात न्यूनतम सीमा से अधिक हैं;
- (ख) प्रत्येक देश के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात 2% से अधिक है ;और
- (ग) आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों को देखते हुए आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण उचित है ।

45. प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय बाजार में पाटित आयात संबद्ध देशों सहित कई देशों से एक साथ प्रवेश कर रहे हैं । अतः इन स्रोतों से हुए पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संचयी निर्धारण के मुद्दे की जांच उपर्युक्त मापदंडों के संबंध में की गई है और यह देखा गया था कि :

- i) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii) संबद्ध देशों में से प्रत्येक देश से अलग-अलग उत्पादों के आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- iii) संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है;

46. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति का संचयी निर्धारण इस मामले में उचित है कि संबद्ध देशों से अलग-अलग उत्पादों के निर्यात आपस में और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तु के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं ।

ड.3 क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

47. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति निर्धारण में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तु के घरेलू बाजार में कीमतों पर उसके प्रभाव तथा ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित समस्त संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए..... " ऐसे समस्त कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात की जांच आवश्यक समझी जाती है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा पर्याप्त स्तर तक गिरावट आई है अथवा होने वाली उस कीमत वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

48. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन मात्रा और मार्जिन आदि जैसे संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।

49. ऊपर उल्लिखित घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसे समस्त आर्थिक मानदंडों की निम्नानुसार जांच की गई है।

ड.4 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव : आयात की मात्रा और बाजार हिस्सा

क) आयात की मात्रा

50. डीवीडी का विशिष्ट रूप से आयात सी.शु. टैरिफ शीर्ष 8523.40.80 के अंतर्गत किया जाता है। इम्पैक्स स्टेटिक्स के आयात के सौदेवार आंकड़ों से यह पता चलता है कि आयात अलग-अलग सीमाशुल्क टैरिफ शीर्षों के अंतर्गत किए गए हैं। विश्लेषण हेतु इम्पैक्स स्टेटिक्स के आंकड़ों पर भरोसा किया गया है।

51. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित होता है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

52. क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने इम्पैक्स स्टेटिक्स से प्राप्त सौदेवार आयात के आंकड़ों पर भरोसा किया है। आंकड़ों से यह देखा गया है कि डीवीडी आर के आयातों में

भारी आयात शामिल हैं। यह भी देखा गया है कि आयात विभिन्न पैकिंग अर्थात् केक बॉक्स तथा बीओएस में किए गए थे। तथापि, मुख्य आयात बीओएस पैक में हुए थे।

53. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:-

(क) आयात की मात्रा और संबद्ध देश का हिस्सा

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा					
वियतनाम	'000 नग में	-	-	-	57,560
मलेशिया	'000 नग में	339	1,034	9,603	14,249
थाइलैंड	'000 नग में	88	4,188	1646	8,088
संबद्ध देश	'000 नग में	427	5,222	11,249	79,897
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	'000 नग में	40,960	42,553	67,635	24,565
अन्य देश	'000 नग में	2,186	5,709	7,397	10,654
कुल आयातक	'000 नग में	43,574	53,485	86,280	115,117
कुल आयातक	'000 नग में	43,574	53,485	83,962	115,117
आयातकों में बाजार हिस्सा (मात्रा आधारित)					
संबद्ध देश	%	0.98	9.76	13.04	69.41
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है	%	94.00	79.56	78.39	21.34
अन्य देश	%	5.02	10.67	8.57	9.26
उत्पादन की तुलना में संबद्ध देशों से आयात	%	0.07	0.56	1.01	4.97
खपत की तुलना में संबद्ध देशों से आयात	%	0.64	4.13	4.09	16.80

54. आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से हुए आयात वर्ष 2005-06 में 4.27 लाख नग से बढ़कर जांच अवधि में 798.97 लाख नग हो गए हैं जिनमें आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान हुए आयातों में 187 गुने की तीव्र वृद्धि प्रदर्शित होती है। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में आयातों में 7 गुना वृद्धि हुई है। यह भी देखा गया है कि डीवीडी का आयात अलग-अलग डिब्बा बंद रूपों में किया गया है। तथापि, मुख्य आयात बल्क पैकेज में हुए थे, जिनका हिस्सा कुल आयातों का 99.49% बनता है। अन्य पैकेज केक बॉक्स में थे। यह देखा गया है कि आयातों में समग्र रूप में उत्पादन तथा खपत की तुलना में वृद्धि हुई है।

ख) मांग, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा**i) मांग में वृद्धि**

मांग	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
घरेलू उद्योग की बिक्री-घरेलू बिक्री	'000 नग में	21,270	71,055	188,727	360,375
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	'000 नग में	1,917	1,845	-	-
संबद्ध देश-आयात					
वियतनाम	'000 नग में	-	-	-	57,560
मलेशिया	'000 नग में	339	1,034	9,603	14,249
थाइलैंड	'000 नग में	88	4,188	1,646	8,088
संबद्ध देश-आयात	'000 नग में	427	5,222	11,249	79,897
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है-आयात	'000 नग में	40,960	42,553	67,635	24,565
अन्य देश-आयात	'000 नग में	2,186	5,709	7,397	10,654
कुल मांग/खपत	'000 नग में	66,761	126,385	275,007	475,492

55. संबद्ध वस्तु की मांग का निर्धारण भारतीय उद्योग की घरेलू बिक्री और समस्त देशों से हुए आयातों को जोड़कर किया गया है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि होती रही है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि मांग में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में 7 गुना और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 73% की वृद्धि हुई है।

ii) घरेलू उद्योग का उत्पादन

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
क्षमता उपयोग					
क्षमता	लाख नग	9,885	13,791	15,432	16,087
उत्पादन	लाख नग	6,435	9,344	11,101	12,171
क्षमता उपयोग	%	65.10	67.75	71.94	75.66

56. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता प्रति वर्ष बढ़ती रही है। इसी प्रकार उत्पादन में भी अच्छी वृद्धि हुई है। जांच अवधि में उत्पादन में आधार वर्ष की तुलना में 89% और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 10% की वृद्धि हुई है। आगे यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग की पर्याप्त निर्यात बिक्रियां हुई हैं जिनमें आधार वर्ष की तुलना में 49% की वृद्धि हुई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में इनमें

मामूली गिरावट (लगभग 5%) आई है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि क्षमता और उत्पादन में वृद्धि निर्यातों और घरेलू बिक्रियों के कारण हुई थी। तथापि, घरेलू उद्योग के पास अत्यधिक निष्क्रिय क्षमता बची हुई है।

iii) घरेलू उद्योग की बिक्री

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
घरेलू बिक्री	लाख नग	213	711	1,887	3,604
निर्यात बिक्री	लाख नग	5,613	7,778	8,847	8,368

57. बिक्री संबंधी आंकड़ों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग ने वर्ष 2005-06 के दौरान संबद्ध वस्तु के 213 लाख नगों की बिक्री की और यह जांच अवधि में बढ़कर 3,604 लाख नग हो गई। घरेलू उद्योग की बिक्री ने समूची क्षति अवधि के दौरान वृद्धि होती रही है।

iv) मांग एवं बाजार हिस्सा :

58. आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक घरेलू उत्पाद की मांग और बाजार हिस्सा दोनों में लगातार वृद्धि होती रही है।

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
घरेलू उद्योग की बिक्री	'000 नग में	21,270	71,055	188,727	360,375
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	'000 नग में	1,917	1,845	-	-
संबद्ध देश-आयात					
वियतनाम	'000 नग में	-	-	-	57,560
मलेशिया	'000 नग में	339	1,034	9,603	14,249
थाइलैंड	'000 नग में	88	4,188	1,646	8,088
संबद्ध देश-आयात	'000 नग में	427	5,222	11,249	79,897
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है - आयात	'000 नग में	40,960	42,553	67,635	24,565
अन्य देश-आयात	'000 नग में	2,186	5,709	7,397	10,654
कुल मांग/खपत	'000 नग में	66,761	126,385	275,007	475,492
मांग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	31.86	56.22	68.63	75.79
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	2.87	1.46	-	-
संबद्ध देश-आयात					
वियतनाम	%	-	-	-	12.11

मलेशिया	%	0.35	0.82	0.40	0.06 (II)
थाईलैंड	%	0.13	3.31	0.60	1.70
संबद्ध देश-आयात	%	0.04	4.13	4.09	16.86
वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है - आयात	%	61.35	33.67	24.59	5.17
अन्य देश-आयात	%	3.28	4.52	2.69	2.24

59. घरेलू उद्योग में संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है। आधार वर्ष में 667 लाख नग की मांग जांच अवधि में बढ़कर 4755 लाख नग हो गई। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में मांग में 7 गुने (612%) और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 73% की वृद्धि हुई है। आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 31.86% से बढ़कर 75.79% हो गया और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बाजार हिस्सा 66.63% से बढ़कर 75.79% हो गया। आधार वर्ष से संबद्ध देशों का हिस्सा 0.64% से बढ़कर 16.80% हो गया और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में यह 4.09% से बढ़कर 16.80% हो गया। आगे यह नोट किया गया है कि जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू था उनका हिस्सा आधार वर्ष में 61.35% से अत्यधिक घटकर जांच अवधि में 5.17% हो गया।

(ग) संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों का घरेलू उद्योग पर कीमत संबंधी प्रभाव

(i) क्षति विश्लेषण अवधि की तुलना में निर्यात कीमत का मूल्यांकन						
निर्यात कीमत	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि	
विकृतनाम	रु./नग	-	-	-	4.72	
मलेशिया	रु./नग	3.96	3.65	3.86	4.92	
थाईलैंड	रु./नग	10.03	3.74	3.73	5.42	
संबद्ध देश	रु./नग	5.21	3.72	3.84	4.82	

60. निर्यात कीमत से संबंधित आंकड़ों से यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से कीमतों में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक गिरावट आई है। आंकड़ों से यह देखा गया है कि कीमतों में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक भारी गिरावट आई है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में संबद्ध देशों के लिए कीमतों में लगभग 98 पैसे अथवा लगभग 18% की वृद्धि हुई है। अलग-अलग संबद्ध देशों के लिए भी कीमत में तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया गया है कि प्रमुख कच्ची सामग्री अर्थात् पोलीकार्बोनेट की कीमत घरेलू उद्योग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2007-08 और जांच अवधि में एक समान रही है (संबद्ध देशों को आयातों के लिए वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार पोलीकार्बोनेट की कीमतें सामान्यतः अधिक रही थीं अतः कोई सार्थक तुलना नहीं की जा सकी)।

(ii) कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव

मलेशिया के लिए कीमत कटौती की गणना					
विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	339	1,034	9,603	14249
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग.	3.96	3.65	3.86	4.97
उतराई प्रभार 1%	रु./नग.	0.04	0.04	0.04	0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग.	3.92	3.61	3.82	4.92
सी. शु. (दर)	%	0%	0%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग.	-	-	-	0
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग.	3.92	3.61	3.82	4.92
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	90.20	74.63	69.73
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	100	88.44	53.54	18.16
कीमत कटौती (%)	% रेंज	50-55	47-52	35-40	10-15

थाइलैंड के लिए कीमत कटौती की गणना					
विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	88	4,188	1646	8,088
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग.	10.03	3.74	3.73	5.47
उतराई प्रभार 1%	रु./नग.	0.10	0.04	0.04	0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग.	9.93	3.70	3.69	5.42
सी. शु. (दर)	%	0%	0%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग.	-	-	-	0
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग.	9.93	3.70	3.69	5.42
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	90.20	74.63	69.73
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	(100)	206.78	135.59	15.25
कीमत कटौती (%)	% रेंज	(20-25)	45-50	35-40	2-7

वियतनाम के लिए कीमत कटौती की गणना					
विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	आयातों की संख्या	आयातों की संख्या	आयातों की संख्या	57,560
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग				4.76
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग				0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग				4.72
सी. शु. (दर)	%				0%
सी. शु.	रु./नग				-
	रु./नग				4.71
आयातों की पहुंच कीमत					
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध				100
कीमत कटौती	सूचीबद्ध				100
कीमत कटौती (%)	% रेंज				14-19

संबद्ध देशों के लिए कीमत कटौती की गणना					
विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
आयात मात्रा	मात्रा(000)	427	5,222	11,249	79,897
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग	5.21	3.72	3.84	4.87
उत्तराई प्रभार 1%	रु./नग	0.05	0.04	0.04	0.05
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग	5.16	3.68	3.80	4.82
सी. शु. (दर)	%	0%	0%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग	-	-	-	-
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	5.16	3.68	3.80	4.82
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	90.20	74.63	69.73
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	100	122.67	76.33	29.00
कीमत कटौती (%)	% रेंज	30-40	45-50	35-40	12-17

61. इसके अलावा, जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के लिए विचाराधीन उत्पाद की पैकेजवार जांच की गई थी। निम्नलिखित तालिका से यह पता चलता है कि कीमत में सकारात्मक कटौती हुई है।

		डीवीडी-आर	
		बी ओ एस	केक बॉक्स
आयात मात्रा	मात्रा(000)	79,487	410
निर्धारणीय मूल्य	रु./लाख	3,858.71	34.58
निर्धारणीय मूल्य	रु./नग	4.85	8.43
उत्तराई प्रसार 1%	रु./नग	0.05	0.08
सीआईएफ निर्यात कीमत	रु./नग	4.81	8.34
सी. शु. (दर)	%	0%	0%
सी. शु.	रु./नग	-	-
आयातों की पहुंच कीमत	रु./नग	4.81	8.34
निवल बिक्री प्राप्ति	सूचीबद्ध	100	130
कीमत कटौती	सूचीबद्ध	100	(539)
कीमत कटौती (%)	% रेंज	1 to 10	(-) 20 to 30

62. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योगों की कीमत पर प्रभाव की जांच कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री, यदि कोई हो, के संदर्भ में की गई है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर) तथा क्षति रहित कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से हुए आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

63. घरेलू उद्योग की भारित निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण करने में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित रिबेट, छूट और कमीशन और संदत्त के. उ. शु. पर रिबेट प्रदान की गई है।

64. कीमत कटौती का निर्धारण समूची क्षति अवधि के दौरा संबद्ध देशों से हुए पाटित आयातों के भारित औसत पहुंच मूल्य की तुलना उसी अवधि के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति के साथ करने के बाद किया गया है। इस प्रयोजनार्थ आयातों को डिब्बा बंद रूप और खुले रूप में अलग-अलग किया गया है। आयातों के पहुंच मूल्य की गणना 1% हैंडलिंग प्रभार (विचाराधीन उत्पादन के लिए मूल सीमाशुल्क शून्य है) को संबद्ध देशों से आयातों की कीमत के आयात आंकड़ों में सूचित मूल्य में जोड़कर (संगत वर्षों के लिए) की गई है। जांच अवधि के दौरा संबद्ध देशों से भारित औसत कटौती 10-20% के बीच रही थी।

65. कम कीमत पर बिक्री के निर्धारण के प्रयोजनार्थ संबद्ध देशों से हुए आयातों के भारित औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ की गई है। भारित औसत कम कीमत पर बिक्री बीओएस के संबंध में 55-75% के बीच और केक बॉक्स के संबंध में 15-25% के बीच रही थी।

(iii) पाटित आयातों का कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव:

66. यह नोट किया गया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में 30% की गिरावट आई है। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में कीमत में 7% पैसे की गिरावट आई है जिससे यह पता चलता है कि कीमत का ह्रास हुआ है। पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी प्रभाव की जांच भी घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और निवल बिक्री प्राप्ति के संदर्भ में की गई है। यह नोट किया गया है कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री लागत में 65 पैसे की गिरावट आई है जबकि इसी अवधि में बिक्री कीमत में 40 पैसे की गिरावट आई है जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग की कीमत कम करनी पड़ी थी लेकिन कीमत में यह गिरावट बिक्री लागत में आई गिरावट से कम थी, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री में होने वाले घाटे को कम कर सका।

ड.5 क्षति के अन्य मापदंडों की जांच

67. पूर्ववर्ती भाग में घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव और आयातों की मात्रा एवं मूल्य, क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और घरेलू उद्योग की बिक्री के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में बाजार हिस्सों के साथ मांग की पद्धति जैसे क्षति के संकेतकों की जांच करने के बाद ऐसे अन्य आर्थिक मापदंडों की जांच निम्नानुसार की गई है जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति की मौजूदगी का पता चल सकता है।

लाभ एवं नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित प्रभाव

	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
बिक्री (एन एस आर)	सूचीबद्ध	100	90	75	70
बनाने और बेचने की लागत	सूचीबद्ध	100	77	87	80
कर पूर्व लाभ	सूचीबद्ध	(100)	(142)	(212)	(180)
ब्याज पूर्व लाभ	सूचीबद्ध	(100)	(763)	(3469)	(5091)
कर पूर्व कुल लाभ	सूचीबद्ध	(100)	(476)	(1871)	(3027)
नकद लाभ	सूचीबद्ध	100	139	(178)	(224)

68. आंकड़ों से पता चलता है कि क्षति अवधि की तुलना में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत में पर्याप्त गिरावट आई है। वर्ष 2005-06 से जांच अवधि तक परिवर्तन लागत एवं पोलिकाबोनेट से इतर कच्ची सामग्री की लागत में गिरावट के कारण बनाने और बेचने की

लागत में 1.68 रुपए/नग की गिरावट आई। इसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत में 2.47 रुपए/नग की गिरावट आई जिससे बिक्री लागत की तुलना में बिक्री कीमत में अननुपातिक कमी का पता चलता है। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बिक्री कीमत गिरावट की तुलना में बिक्री लागत में अधिक गिरावट के कारण प्रति इकाई घाटे में कमी आई है। प्रति इकाई घाटा (सूचीबद्ध) आधार वर्ष में - 100 से बढ़कर जांच अवधि में -179 हो गया और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में घाटा -211 से घटकर -179 हो गया। इसी प्रकार आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में ब्याज एवं कर पूर्व लाभ (पीबीआईटी) (सूचीबद्ध) -100 से बढ़कर -5090 हो गया। समूची क्षति अवधि के दौरान कर पूर्व लाभ में लगातार गिरावट आई। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुए घाटे में कई गुना वृद्धि हुई है। जांच अवधि और पूर्ववर्ती वर्ष 2007-08 दोनों के दौरान घरेलू उद्योग को नकारात्मक नकद लाभ हुआ है और जांच अवधि के दौरान नकद घाटे में वृद्धि हुई है।

लगाई गई पूंजी पर आय

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
निवल स्थायी परिसंपत्ति	सूचीबद्ध	100	255	564	906
कार्यशील पूंजी	सूचीबद्ध	100	231	854	1116
कुल नियोजित पूंजी (एनएफए आधारपर)	सूचीबद्ध	100	249	629	953
लगाई गई पूंजी पर आय- एनएफए	सूचीबद्ध	(100)	(306)	(552)	(712)

69. लगाई गई पूंजी पर आय से संबंधित उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि क्षति अवधि में आय में तेजी से गिरावट आई है।

रोजगार एवं मजदूरी

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	जांच अवधि
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	92	90
मजदूरी	लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	161	233	236

70. घरेलू उद्योग की विनिर्माण सुविधा में संबद्ध वस्तु और इस जांच में असम्मिलित दोनों शामिल हैं। कर्मचारियों की संख्या को समग्र संयंत्र के लिए लिया गया है। उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 9.69% की गिरावट आई है। तथापि, मजदूरी आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से

बढ़कर जांच अवधि में 236 हो गई और प्रति कर्मचारी मजदूरी आधार वर्ष में 100 से बढ़कर जांच अवधि में 262 हो गई ।

उत्पादकता

71. प्रति कर्मचारी उत्पादन के रूप में आकलित प्रति कर्मचारी उत्पादकता में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक पर्याप्त सुधार हुआ है । यह आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जांच अवधि में 209 हो गई है ।

मालसूची

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
प्रारंभिक	लाख नग	646	1,195	2,005	2,314
अंतिम	लाख नग	1,195	2,005	2,314	2,503
औसत	लाख नग	920	1,600	2,160	2,408
बिक्री दिवसों की संख्या के रूप में स्टॉक	दिवस	58	69	73	73

72. उपर्युक्त आंकड़ों से यह पता चलता है कि इन वर्षों में औसत मालसूची में अत्यधिक वृद्धि हुई है । बिक्री दिवसों के रूप में आकलित मालसूची में भी आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक वृद्धि हुई है । यद्यपि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में कोई परिवर्तन नहीं हुआ था । तथापि, मालसूची इस मामले में क्षति विश्लेषण का सही संकेतक नहीं है क्योंकि संगणित मालसूची में भांडागारों में पड़ी हुई मालसूची शामिल है, यद्यपि इसे निर्यात प्रयोजन हेतु इंगित किया जा चुका है ।

वृद्धि

73. आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक मांग में वृद्धि में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है । उत्पादन एवं बिक्री में वृद्धि सकारात्मक रही थी । तथापि, लागत एवं बिक्री कीमत, लाभप्रदता और निवेश पर आय में नकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित होती है ।

पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में वृद्धि		2006-07	2007-08	2008-09
उत्पादन	%	45.22	18.80	46.19
घरेलू बिक्री मात्रा	%	234.06	65.61	154.60
घरेलू बिक्री कीमत	%	(9.81)	17.23	(6.59)
घरेलू बिक्री लागत	%	(4.97)	(8.15)	(8.54)
औसत स्टॉक	%	73.86	34.95	11.53
लगाई गई पूंजी पर आय (एनएफए आधार पर)	%	(2.66)	(3.16)	(2.07)

निवेश

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु और अन्य वस्तु के लिए क्षमता को बढ़ाने हेतु नई पूंजी जुटाई थी ।

पाटन की मात्रा

75. पाटित आयातों की मात्रा के एक संकेतक के रूप में पाटन की मात्रा से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है जिससे यह पता चलता है कि जांच अवधि के लिए संबद्ध देशों के विरुद्ध निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक है ।

कीमत को प्रभावित करने वाले कारक

76. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान बिक्री लागतों में गिरावट आई । वर्ष 2005-06 से जांच अवधि तक बनाने और बेचने की लागत में 1.68 रुपए/नग की गिरावट आई । तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में बनाने और बेचने की लागत में 65 पैसा प्रति नग की गिरावट आई । संबद्ध देशों से पहुंच मूल्य में यद्यपि, आधार वर्ष से जांच अवधि तक गिरावट आई तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में इसमें 75 पैसे की वृद्धि हुई । आगे यह नोट किया गया है कि यद्यपि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों में पहुंच मूल्य में वृद्धि हुई, तथापि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हुई है । यह भी देखा गया है कि इससे पूर्व घरेलू उद्योग ऐसे अन्य देशों से कीमत कटौती का सामना कर रहा था जिन पर अब 23.7.2008 को पाटनरोधी शुल्क लागू कर दिया गया है । बहरहाल घरेलू उद्योग को काफी कम कीमत पर बिक्री करनी पड़ी है ।

ड.6 क्षति संबंधी मापदंडों के बारे में निष्कर्ष

77. घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन में आधार वर्ष से लेकर जांच अवधि तक लगातार सुधार हुआ है । इस संबंध में यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग न केवल घरेलू बाजार में मांग की पूर्ति कर रहा है अपितु निर्यात बाजार की मांग की भी पूर्ति कर रहा है । वस्तुतः जांच अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री कुल बिक्री की 30% रही है । घरेलू उद्योग की

घरेलू बिक्री में भी आधार वर्ष से जांच अवधि तक सुधार हुआ है। घरेलू बाजार में उत्पाद कीमांग में सतत वृद्धि प्रदर्शित हुई है और घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में अपना हिस्सा आधार वर्ष में 32% और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष में 69% से बढ़ाकर जांच अवधि में 76% कर लिया है जिससे यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग बाजार हिस्से को प्राप्त करने में सफल रहा है और उसने मांग में वृद्धि का फायदा उठाया है। तथापि, घरेलू उद्योग के पास अभी भी निष्क्रिय क्षमता पड़ी हुई है।

78. उत्पाद की बिक्री लागत में यद्यपि आधार वर्ष से जांच अवधि तक पर्याप्त गिरावट आई है तथापि, बिक्री लागत में भी गिरावट आई है। बिक्री कीमत में तुलनात्मक गिरावट बिक्री लागत में तदनुरूपी गिरावट की तुलना में अधिक रही है। जांच अवधि में घरेलू उद्योग को घरेलू बिक्री में घाटा हो रहा था और यह घाटा क्षति अवधि में जारी रहा। तथापि, तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में प्रति इकाई घाटे में कमी आई। आधार वर्ष से जांच अवधि तक घाटे (पीबीआईटी) में वृद्धि हुई। आधार वर्ष के दौरान सकारात्मक नकद लाभ की स्थिति से घरेलू उद्योग वर्ष 2007-08 और 2008-09 (जांच अवधि) दोनों वर्षों के दौरान नकारात्मक नकद लाभ की स्थिति में पहुंच गया।

79. उपर्युक्त आर्थिक संकेतकों के विश्लेषण से यह पता चलता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग ने मांग में वृद्धि का लाभ उठाया है तथापि उसे घरेलू बिक्री में घाटा होता रहा जिसके परिणामस्वरूप उसे क्षति हुई।

ड.7 अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

80. प्राधिकारी ने अन्य कारकों से हुई किसी क्षति का विश्लेषण करने के लिए नियमों में यथानिर्धारित अन्य कारणोत्तर कारकों की भी जांच की है। इस संबंध में नियमों में यथानिर्धारित निम्नलिखित सांकेतिक कारकों की जांच की गई है।

i) अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा और कीमत

81. जांच अवधि के दौरान जो देश जांच में शामिल नहीं हैं उन देशों से हुए आयातों का हिस्सा कुल आयातों का 9.25% रहा है। एक देश से हुए आयातों के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती भी नहीं हो रही थी। तथापि, उसका हिस्सा जांच अवधि में कुल आयातों का 1.3% रहा है। अन्य देशों (चीन, हांगकांग और चीनी ताइपेई) जिनसे घरेलू

उद्योग की कीमत में कटौती हो रही है, उन पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है । अतः अन्य देशों से हुए आयातों को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता ।

ii) मांग में कमी, खपत की पद्धति में परिवर्तन और प्रौद्योगिकी विकास

82. प्रौद्योगिकी में आगे और विकास होने तथा बाजार में नया उत्पाद आने के कारण संबद्ध वस्तु की खपत की पद्धति में इस उत्पाद के पक्ष में परिवर्तन हो रहा है । भारत ने क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है । अतः खपत की पद्धति में परिवर्तन और मांग में कमी को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं माना जा सकता ।

iii) विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

83. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उद्योग में ऐसा कोई प्रतिबंधात्मक व्यवहार प्रचलित नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है ।

iv) निर्यात निष्पादन

विवरण	इकाई	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
निर्यात बिक्री	लाख नग	5613	7778	8847	8368
लागत की बिक्री	सूचीबद्ध	100	94	87	77
बिक्री कीमत	सूचीबद्ध	100	88	69	89
लाभ/हानि	सूचीबद्ध	100	46	(61)	12

84. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात मात्रा में वर्ष 2007-08 तक वृद्धि हुई और जांच अवधि में मामूली कमी आई । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के लिए वित्तीय निष्पादन केवल घरेलू बिक्री के संबंध में किया गया है । अतः निर्यात निष्पादन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं माना जा सकता ।

v) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

85. प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में पर्याप्त सुधार हुआ है इसलिए यह घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारक नहीं हो सकता ।

86. प्राधिकारी की जानकारी में ऐसा कोई अन्य कारक नहीं आया है जिससे घरेलू उद्योग को संभावित क्षति हो सकती है ।

कारणात्मक संबंध

87. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण., हांगकांग और चीनी ताइपेई से पाटित आयातों का सामना करना पड़ रहा था और इनसे घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही थी। पाटित आयातों के प्रभाव को निष्प्रभावी बनाने के लिए इन देशों पर 23 जुलाई, 2008 को पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष अर्थात् 2007-08 की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में तेजी से वृद्धि हुई। आगे यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से हुए आयातों के कारण जांच अवधि और तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भारी कटौती हो रही थी। भारत में संबद्ध वस्तु का पाटन करने वाले देशों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के निष्पादन में सुधार होना चाहिए था। तथापि, पाटन के स्रोत में परिवर्तन हो जाने के कारण घरेलू उद्योग के वितीय निष्पादन में सुधार नहीं हुआ और घरेलू उद्योग को घाटा जारी रहा। आगे यह नोट किया गया है कि तत्काल पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में संबद्ध देशों से निर्यात की कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग को बिक्री कीमत में भारी कटौती के मद्देनजर बिक्री कीमत में कमी करनी पड़ी थी। लगातार हो रहे घाटे के कारण नकद प्रवाह और लगाई गई पूंजी पर आय पर प्रभाव पड़ा है और इसमें नकारात्मक प्रवृत्ति जारी है। प्राधिकारी को संबद्ध देशों से पाटित आयातों से भिन्न ऐसा कोई अन्य कारक नहीं मिला है जिससे घाटा हो सकता है। अतः पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पता चलता है।

88. उपर्युक्त जांच के आधार पर अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य, घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत और घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु की औसत निवल बिक्री प्राप्ति से कम कीमत पर किया गया है और इससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है जिससे संबद्ध वस्तु के पाटन और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध का पता चलता है।

च. निष्कर्ष

89. पूर्वोक्त पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि :

क. संबद्ध देशों से भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है;

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

ग. यह क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है ।

छ. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आम तौर पर पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त कराना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति बहाल की जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे, अतः उपभोक्ताओं के लिए उत्पादों की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

ज. सिफारिशें

91. उपर्युक्तानुसार निकाले गए निष्कर्ष को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देशों से हुए संबद्ध वस्तु के आयातों पर निम्नलिखित प्रपत्र में और ढंग से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ।

92. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन जो कम हो, के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके । तदनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे दी गई शुल्क तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है ।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	टैरिफ मद	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि अम.डॉ./1000 नग
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1	8523	*डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क रिकॉर्डेबल	वियतनाम	वियतनाम	मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लि.	मै. रीटेक वियतनाम कंपनी लि.	29.75
2	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम	क्र.सं. 1 से इतर उत्पादक और निर्यातक के संयोजन से भिन्न कोई		50.51
3	वही	वही	वियतनाम	वियतनाम तथा दिनांक 22.1.2009 की अधिसूचना सं. 8/2009- सी. शु. के तहत शुल्क तालिका के कॉलम 5 की क्र.सं. 3 के अंतर्गत पहले से पाटनरोधी शुल्क के अधीन देश से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	50.51
4	वही	वही	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	वियतनाम	कोई	कोई	50.51
5	वही	वही	थाईलैंड	थाईलैंड	कोई	कोई	25.98
6	वही	वही	थाईलैंड	थाईलैंड तथा दिनांक 22.1.2009 की अधिसूचना सं. 8/2009- सी. शु. के तहत शुल्क तालिका के कॉलम 6 की क्र.सं. 3 के अंतर्गत पहले से पाटनरोधी शुल्क के अधीन देश से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	25.98
7	वही	वही	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	थाईलैंड	कोई	कोई	25.98
8	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया	कोई	कोई	35.92
9	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया तथा दिनांक 22.1.2009 की अधिसूचना सं. 8/2009- सी. शु. के तहत शुल्क तालिका के कॉलम 5 की क्र.सं. 9 के अंतर्गत पहले से पाटनरोधी शुल्क के अधीन देश से इतर कोई अन्य देश	कोई	कोई	35.92
10	वही	वही	जिन देशों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, उन देशों से इतर कोई देश	मलेशिया	कोई	कोई	35.92

*वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी प्रकारों की डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क रिकॉर्डेबल है।
इस प्रकार के उत्पाद में डीवीडी-आर, डीवीडी + आर, डीवीडी-आरडब्ल्यू तथा डीवीडी + आर
डब्ल्यू शामिल हैं।

93. सरकार द्वारा इस आदेश को स्वीकार किए जाने के बाद इसके खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क तथा सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

पी. के. चौधरी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 2010

FINAL FINDINGS

Sub:- Final Findings of Anti-dumping investigation on imports of Digital Versatile Discs- Recordable (DVD-R and DVD-RW) from Malaysia, Thailand and Vietnam

F. No. 14/16/2009-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof:

2. WHEREAS Optical Disc Manufacturers Welfare Association (ODMWA), New Delhi (herein after referred to as the Applicant) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred as Rules), alleging dumping of Digital Versatile Discs Recordable (DVD-R and DVD-RW) (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from the Malaysia, Thailand and Vietnam (herein after referred to as subject countries) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods. The embassies of subject countries were notified about the receipt of fully documented application as per Rule-5(5).

3. And Whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant on behalf of the domestic industry, issued a public notice dated 5th May, 2009 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. General

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the public notice notifying the initiation of the above investigations by the Authority:-

- (i) On 5th May, 2009, the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) under the aforesaid Rules, issued an Initiation Notification No.14/16/2009-DGAD published in the Gazette of India, initiating an anti dumping investigation with regard to imports of Digital Versatile Discs- Recordable (DVD-R and DVD-RW) originating in or exported from Malaysia, Thailand and Vietnam (hereinafter referred to as subject countries). The Anti dumping proceeding was initiated following an application received from M/s Optical Disc Manufacturers Welfare Association (ODMWA), New Delhi (hereinafter referred to as the applicant). The application contained evidence of dumping of the said product and material injury resulting there from, which was considered sufficient to justify the initiation of the proceedings.
- (ii) The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of fully documented application made by the applicant before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule(5) of Rule 5 supra.
- (iii) The Authority sent copies of initiation notification dated 5.5.2009 to the Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, importers and the domestic industry as per the addresses available, and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
- (iv) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies of subject countries in accordance with Rule 6(3) supra.
- (v) The Embassies of the subject countries in New Delhi, were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters were also sent to Embassies of subject countries along with the names and addresses of the exporters.
- (vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information to the known exporters in subject countries in accordance with Rule 6(4).

- (vii) In response to the above said notification one exporter M/s Ritek Vietnam Co. Ltd from Vietnam has submitted the information. Other exporters from subject countries who have not filed response to the questionnaire have been treated as non-cooperative.
- (viii) A copy of questionnaire was also sent to the known importers and users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
- (ix) In response to the above notification, none of the importers has responded to the questionnaire.
- (x) The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st April 2008 to March 2009 (12 months). The injury analysis however covers the periods April,2005-March,06, April,2006–March,2007, April,2007-March,2008 and the POI.
- (xi) Request was made to the DGCI&S to arrange details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation. Data has since been received from DGCI&S, and has appropriately been relied upon in this finding.
- (xii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (xiii) The Authority notified Preliminary Findings vide Notification No.14/16/12009-DGAD dated the 13th November 2009 and requested the interested parties to make their views known to the Authority in writing within forty days from the date of publication of the notification. Subsequently a corrigendum 1 and corrigendum 2 were issued on 22nd December 2009 and 26th February 2010 respectively.
- (xiv) The Central government imposed the provisional duties vide Notification No.48/2010-DGAD dated 12th April, 2010.
- (xv) The Authority also carried out verification of data of the cooperating exporter ie. Ritek Vietnam Co. Ltd, Vietnam, to determine the market economy status, normal value and dumping margin as per the Rules.
- (xvi) The Authority held a public hearing on 9.2.2010 to hear the interested parties orally. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. Only the domestic industry attended the public hearing and subsequently submitted the written submission.

- (xvii) Arguments raised by interested parties before notification of preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings have not been repeated herein for sake of brevity. However, arguments of interested parties that were brought before the Authority after the notification of the preliminary findings have been appropriately dealt in this findings.
- (xviii) The Authority got verified the data and information submitted by Ritek Vietnam Co. Ltd., producer/exporter from Vietnam in response to the exporter's questionnaire. Comments received from the exporter on the verification report have been appropriately dealt in the Final Findings.
- (xix) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings was disclosed on 21st June, 2010 and comments received thereon are appropriately addressed in the final findings.
- (xx) *** in this finding represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLES

5. The product under consideration is "Recordable Digital Versatile Disc [DVD] of all kinds" which is being dumped in the Indian market by the exporters from Malaysia, Thailand and Vietnam. DVD can be of a number of types, such as DVD-R, DVD+R, DVD-RW, DVD+RW, mini DVD-R, mini DVD-RW. A DVD can be recorded once or several times.

DVD-R and DVD+R discs can be either single or double-sided. A single-sided (SS) disc is composed of a recording side and a dummy side while a double-sided (DS) disc consists of two recording sides. The recording side of a DVD-R and DVD+R disc is a sandwich of a number of layers.

- Mastering : A process of forming a master for optical disks, generally referred to as "mastering", is where a nickel or the like metallic master, i.e., "stamper", is formed at its final step. A large number of optical disks are duplicated with use of the stamper as a mold in a succeeding molding process.
- Moulding: First comes a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.
- Dye Coater: In this section an organic dye recording layer (AZO) is applied on blank substrate. This layer acts as recording layer. Dye is applied using spin coating and the metal layers by means of DC sputtering.
- Sputter (Metallizing): A metal reflective layer is applied on disc (silver).
- Bonding: An adhesive then bonds two recording sides (for a double-sided) or a recording and dummy side (for a single-sided) together into the final disc. Some single-sided discs are also topped on the dummy side with decorations or additional layers that provide surfaces suitable for labeling by inkjet, thermal

transfer or re-transfer printers. Bonding is done by using a hot melt, UV cationic or free radical process

- Printing: Then required printing design is applied by screen printing method.
- Construction of DVD-RW and DVD+RW: To allow information to not only be written but also re-written many times over, DVD-RW, DVD+RW) disc construction is more complex than that of DVD-R and DVD+R (recordable). Just like a recordable disc, a rewritable disc can be either single or double-sided. The recording side of a rewritable disc also uses multiple layers beginning with a polycarbonate plastic substrate containing a shallow spiral groove extending from the inside to the outside diameter of the disc.

6. Next comes a dielectric layer (zinc sulfide and silicon dioxide), followed by a phase-change alloy recording layer (either indium, silver, tellurium and antimony or germanium, tellurium and antimony), another dielectric layer and a metal reflective layer (silver, silver alloy, aluminum). Additional layers may also be incorporated above or below the dielectric layers (germanium nitride, silicon carbide, silicon dioxide, silicon nitride, zinc sulfide, antimony telluride and others).

7. The dummy side consists of a flat polycarbonate plastic substrate sometimes with an additional metal layer. An adhesive then bonds the sides together into a single disc.

8. Rule 2(d) of the Anti Dumping rule specified that like article means an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such article, another article having characteristics closely resembling those of the article under examination.

9. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. Recordable Digital Versatile Disc [DVD] produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of physical, technical characteristics, functions and uses. Therefore, for the purpose of present investigation the Recordable Digital Versatile Disc [DVD] produced by the applicant is proposed to be treated as like articles of Recordable Digital Versatile Disc [DVD] imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

10. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No.8523. The product is imported from the subject countries under Chapter 8523 of the Customs Classification and is classified under following ITC(HS) Codes at eight digit level:-

85232920,85232950,85232970,85234040,85234050,85234060,85234080,85234090,85238090,85235290,85238050,85239010,85239040,85239050 and 85239090.

However the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

Views of the interested parties

11. None of the interested parties has filed any submission in regard to this aspect.

Examination by the Authority

12. The authority notes that none of the interested parties has raised any argument on the issue of product under consideration. The Authority, therefore, holds that the goods produced by the domestic industry are like articles of the subject goods imported from the subject countries.

C. STANDING AND SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY

13. With regard to standing of the domestic industry, Rule 2 b states as under:-

"Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in which case such producers shall be deemed not to form part of the domestic industry.

Views of the interested parties

14. None of the interested parties has raised any argument on the standing of the applicant as domestic industry.

Examination by the Authority

15. M/s Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi through TPM Consultants, New Delhi has filed the petition on behalf of the domestic industry. As per the information available, M/s Moserbaer India Ltd. is the only producer of the subject goods during the POI. The Authority holds that the applicant has the requisite standing to file the petition for anti dumping investigation on behalf of domestic industry under Rule 5(3)(a) of Rules and constitutes domestic industry as per Rule 2(b).

D.1 DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Normal Value

Market Economy Treatment for Exporters from Vietnam

16. Views of the Domestic Industry

- a) The following can form the basis for determination of normal value in the exporting countries.
 - i) The price of like article in the domestic market of the exporting country in the *ordinary course of trade*.
 - ii) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country.
 - iii) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling & general costs and for profits.
- b) Following choices available for determination of normal value in the present case
 - i) normal value based on Malaysia.
 - ii) normal value based on cost of price to India
- c) A reasonable addition of the expenses incurred at Chinese Taipei to the cost of production at Vietnam needs to be done to determine the actual cost to make and sell.
- d) Vietnam is a non-market economy and should be treated as such for determination of normal value for all the exporters.
- e) M/s Ritek Vietnam Co. Ltd administers the activities or had the de-facto control over the Vietnamese company. And therefore a reasonable addition of the expenses incurred at Chinese Taipei to the cost of production at Vietnam needs to be done to determine the actual cost to make and sell.
- f) In the absence of cooperation from exporters, the normal value of Malaysia and Thailand should be constructed on the basis of facts available as per Rule 6(8).

Examination by the Authority

17. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption of Vietnam as a non-market economy country as per para 8(2) of Annexure 1 of the Rules. Upon initiation, the Authority advised the producers/Exporters in the country to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status.

18. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known exporters for rebutting presumption of non market economy in accordance with criteria laid down in para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of Vietnam to advise producers/exporters in their country to provide information. Only one exporter, namely, Ritek Vietnam Co. Ltd. filed response to the MET questionnaire.

19. In the preliminary findings, it was mentioned that the market economy status for Ritek Vietnam would be decided after verification of information submitted by the company in response to MET questionnaire. However, the Authority notes that Ritek Vietnam Company Limited had already been granted the market economy status in the case of Compact Disc – Recordable (CD-R) from Iran, Malaysia, Korea ROK, Thailand, UAE and Vietnam, vide Authority's Final Findings No. 14/9/2007-DGAD dated 6.3.2009 which pertained to POI from 1st April 2006 to 30th June 2007. It is further noted that the POI in the present proceedings is April 2008 to March 2009 which is after the Market Economy Status was granted.

20. Designated Authority has already taken a position in this regard in the case of Ceramic Tiles vide Final Findings No. 14/16/2008-DGAD dated 9 October 2009 vide which DA has decided not to conduct any fresh examination for the entities who have been accorded market economy treatment in some other investigation and such entities have been treated as working in accordance with market principles for the purpose of final findings (Para 20 of the said findings pertaining to exporter/producer Foshan Shunshui Summit Ceramic Co Limited and Shunshui Newpearl Building(Producers)-Foshan Newpearl Trade Company Limited and Foshan Summit Kangjian Ceramics Co. Limited(Exporters).

21. In the present case, market economy status has already been accorded to the exporter/producer, Ritek Vietnam in the CD-R case mentioned above vide Final Findings dated 6.3.2009. Further, Government of India, of late, has bilaterally recognized Vietnam as a full market economy through an MOU signed on 25.10.2009. These facts notwithstanding, the following aspects of MET vis-à-vis Ritek Vietnam were verified during the exporter's verification :-

- (a) As regards the ownership, the company Ritek Vietnam is a 100% foreign invested company and the investment is from Score High Group. Therefore, there is no state share in the company.
- (b) The aspect of state control/interference also did not come to the notice as there is no state representation in the Board. The entire Board of Directors consists of

the representatives of RCT, Taiwan who are holding the operational control of Ritek, Vietnam.

- (c) The raw materials including the major raw material i.e. polycarbonate are imported by Ritek, Vietnam through RCT, Taiwan from LG, Sabic, Ciba, etc. which are renowned multi-national companies. This rules out state interference in the price of raw materials.
- (d) Power is bought from Amata Power which is a private and un-affiliated company.

In view of the above position, the Authority holds that the producer/exporter Ritek Vietnam is run according to market economy principles

Normal Value

Normal Value for M/s Ritek Vietnam Co. Ltd.

22. Post-disclosure submission made by domestic industry

Normal value of Ritek – Domestic industry has raised the issue of correct assessment of cost of production of the company. Following are stated to be relevant in this regard.

- a. Raw material prices – The disclosure statement confirms that the exporter has provided grossly incomplete information. It is also relevant to point out that it was obligatory on the part of the exporter to provide relevant evidence with regard to arm's length transaction alongwith questionnaire response. The exporter has obviously chosen not to provide relevant information only of the fact that the costs have been under-estimated by the company.
- b. Assets value (depreciation costs) – domestic industry has been repeatedly raising the issue that the assets value being reported in Ritek, Vietnam cannot be taken on face value in view of the fact that the machines have in fact been purchased by Ritek Taiwan and provided to Ritek Vietnam. The exporter was required to establish how the assets represent fair market value. Such assessment is vital in view of its impact on depreciation costs.
- c. Interest costs – in view of the fact that the loans for purchase of assets might have been taken by the related Taiwanese entity, the interest cost is required to be correctly established. Interest costs in such cases are taken considering the costs incurred by the company and costs booked in the parent company.

Issues raised on behalf of the exporter post-disclosure

23. M/s. Ritek Vietnam Co. Ltd., Vietnam has responded to the Disclosure Statement and the main submissions made by them are summarized below:-

- (i) With regard to the DA's observation on the need to prove that the transactions entered into with their related parties are at arm's length, the

Co. has stated that the time allowed to them to respond was not sufficient and in the absence of any guidelines on the number invoices to be made available to prove that all the related transactions were done at arm's length, the Company could submit only few copies of the relevant invoices. Therefore there is no reason for DA for not accepting the actual costs submitted by the Co. for computing normal value. If the Authority is still not satisfied it may carry out the physical verification at Taiwan.

- (ii) With regard to the consumption of raw materials for the production of DVDR, it was mentioned that sale of one of the raw materials (silver) was erroneously included in the total consumption of raw materials and since the details of silver sold by the company have been furnished now, the DA is requested to consider the cost of consumption of silver for production of DVDR/CDR after deducting the cost of silver sold from the total consumption furnished earlier.
- (iii) With regard to the allocation of depreciation between DVDR & CDR, it has been mentioned that the basis of direct labour adopted by the Authority is not correct as production of both the products is capital intensive and not labour intensive. Further, the Authority have not furnished the basis for making a statement that the efforts and processes involved in the manufacture of DVDR are almost double the one required for CDR. In view of the above, the Authority can make allocation of depreciation between DVDR and CDR on the basis of their production ratio.
- (iv) With regard to the addition of financial expenses at the rate of 5% of cost of sales, it has been mentioned that there is no room in law or logic to ignore the actual financial structure of the exporter and make additions on the basis of notional or imaginary financial structure. Further, as per the decision of the Hon'ble Supreme Court, the Authority is required to consider the actual cost incurred by the exporter. It has been an accepted principle of financial management that the best capital structure of the company has to be such where overall cost of capital is minimized to maximize the profitability. Very low or no debt is acceptable in common business practice, and in any case it is the sole decision of the individual firm. In view of the above, the Authority should consider the actual financial expenses incurred by the exporter without making any notional addition.
- (v) With regard to taking profitability at 5% of cost, it is mentioned that the exporter and the parent has incurred losses, the profit actually earned by the parent company on the operation of the similar business including subject goods, profit considered by the Authority would certainly be on higher side. The Authority is therefore requested to consider providing profit @ 3% for the purpose of CNV as the business in South East Asia is normally done at a profit of 2 to 3% with large volumes.

- (vi) It is submitted that the current exchange rate during the POI of 17605.93 VND per US\$, based on average daily rate during the POI may be adopted.

Examination by the Authority

24. The exporters' verification was made in the first week of June 2010 after giving proper notice. It is expected that the company would furnish all the relevant documents in the support of their transactions at the place of verification. During the verification, it was however noted that the bulk of the raw materials and capital goods were purchased from related parties. It was for the concerned exporter to provide all necessary documents in support of their claim that all the related party transactions had taken place at arm's length. Further, the verification report issued to the company mentioned that the Co. had agreed to prove arm's length transactions by producing relevant invoices. However, the company has provided copies of the few selective sample invoices chosen by them. The value of the invoices produced by the Co. in support of their claim about related parties' transactions at arm's length was is meager as compared to the total transactions with the related parties. In the absence of details about the invoice-wise purchase made by the exporter and corresponding purchases made by the related parties, it would be difficult for the Authority to verify the claim of the Co. Though more than 15 days have elapsed since the issue of the verification report and both exporter and its parent company have computerized system of accounting, the exporter has not provided the details to prove their claim.

25. At the time of verification, the company had not informed that the consumption figures included sale of silver also. In this connection, it may be mentioned that from the details furnished now ***units of silver has been purchased during POI from related company and out of which *** units of silver (***) have been sold to the same related company. According to the details now furnished by the exporter it is submitted that they had consumed only *** units of silver as against ***units in Appendix-5. Further, there is nothing on record to provide the reasons for the exporter to purchase huge quantity of silver from the related party and again selling the same to the same related party. In response to the observation of the Authority in the verification report that the separate consumption values were not provided for DVDR, the exporter stated that the item-wise consumption value for the DVDR were provided which are separately booked in the company ERP system. However, the Authority notes that no such details were furnished at the time of verification and only now the company has provided the details of consumption of different raw materials for CDR and DVD. The Authority in the absence of verification from the records is therefore now not in a position to accept the above claim of the exporter.

26. With regard to the allocation of depreciation between DVDR and CDR, it may be mentioned that the authority is of the view that direct labour is linked with the direct machine hour as machines are to be manned by the labour and therefore there is nothing wrong in adopting the direct labour ratio in the absence of machine hours

required or production cycle time for DVDR and CDR. The exporter has not provided any documents to prove that submissions as to actual time consumed in manufacture of these two products. Based on the facts available, the Authority notes that the production cycle time of DVD-R is almost twice that of the CDR. In view of the above the Authority is not in a position to accept the submission of the exporter to give equal weightage to both DVDR and CDR in allocation of per unit cost of depreciation by adopting the production ratio.

27. With regard to the addition of 5% for financial expenses as against the one allocated to DVDR, it may be mentioned that it is a known fact that the cost of equity funds is costlier than the cost of borrowed funds and in the instant case the entire capital assets were through equity contributed by Promoter Company. Further, due to the fact that bulk of the purchases and sales were made through the related parties, the company had borrowed very little working capital loans. As per antidumping rules, the Authority is inter alia required to normally determine the cost on the basis of records kept by the producer provided such records reasonably reflect the cost associated with production and sale of the article and make reasonable addition for SGA and profits.

28. As per practice, the Authority has allowed 5% of cost of sales as reasonable to provide for a profit. The authority has adopted the average exchange rate of USD=VND 17093.14 as per oanda.com.

29. In view of the above, the Authority finds that the normal value proposed in the disclosure does not require any change except on account of exchange rate adopted as above. As regards normal value for Ritek Vietnam, the Authority notes that the company has no domestic sale of the subject goods in Vietnam during the POI. During the onsite verification, it was noted that the raw material/capital goods were purchased by the exporter from their own group companies/promoters. The company was asked to provide evidence that these transactions were carried out at arm's length and were as per prevalent market conditions. This was also conveyed vide the Verification Report issued in this regard. Vide reply to the verification report, it was stated that the sample invoices in respect of raw material are being collected and would be submitted. Only one single invoice in respect of purchase of few machines was, however, submitted. In the given circumstances, the authority constructs normal value based on facts available which include the cost of production of the exporter of the exporter, to the extent verified, as well. The normal value for Ritek Vietnam is thus constructed as US\$ ***/1000 pieces.

Normal Value for non-cooperating exporters from Vietnam

30. The normal value for non-cooperating exporters from Vietnam is the same as determined for M/s Ritek Vietnam Co. Ltd.

Normal Value for non-cooperating exporters from Malaysia

31. No exporter from Malaysia has responded to the Initiation Notification nor provided information about normal value. In absence of co-operation, the Authority

treats all exporters from Malaysia as non-cooperative and proposes to determine normal value for all exporters from Malaysia at the same level as in preliminary findings. The Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). Price of Polycarbonate, one of the main raw material has been taken as that of cost to domestic industry. (The prices of Polycarbonate for imports to Malaysia as per World Trade Atlas was much higher than that of domestic industry). Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials, utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Malaysia is determined as below.

Value in US\$ per'000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	No imports	No imports

Normal Value for non-cooperating exporters from Thailand

32. No exporter from Thailand has responded to the Initiation Notification nor provided information about normal value. In absence of co-operation, the Authority treats all exporters from Thailand as non-cooperative and proposes to determine normal value for all exporters from Thailand at the same level as in preliminary findings. The Authority has constructed normal value on the basis of facts available as per Rule-6(8). Price of Polycarbonate, one of the main raw material has been taken as that of cost to domestic industry. (The prices of Polycarbonate for imports to Thailand as per World Trade Atlas was much higher than that of domestic industry). Prices of other raw materials, consumption norms for the raw materials, utilities and conversion cost have been taken as that of the domestic industry in India. To this financial cost and profit @5% each has been added to construct the normal value. By this methodology, the normal value for Thailand is determined as below.

Value in US\$ per'000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	No imports	No imports

D.2 Export Price

33. Views of domestic industry

- a) With respect to Vietnam, the petitioner submits that for determination of export price, the Authority may investigate the actual amount towards SGA expenses incurred by the exporter at Chinese Taipei.

- b) The domestic industry also requested the Authority to investigate as to who administers the activities of or has the defacto control over the Vietnamese company.

Examination by the Authority

Vietnam

Export price for Ritek Vietnam Co. Ltd.

34. M/s-Ritek Vietnam Co. Ltd. from Vietnam has co-operated and provided transaction wise details of exports to India. The transaction-wise details of exports to India have been verified and weighted average CIF value of exports to India during POI is worked out as US\$***'000 Pcs. Adjustments duly verified on account of account of Ocean freight, handling and clearance, insurance (***%), bank charges (***%) are considered to arrive at the net export price. Thus, the net export price at ex-factory level is determined as US\$ ***'000 Pcs. for BOS packing (imports from Vietnam are in BOS packing only).

Export price for non-cooperating exporters from Vietnam

35. For non-cooperating exporters from Vietnam, the export price is determined on the basis of the lowest of export prices of Ritek Vietnam Co. Ltd. during POI. Accordingly, CIF export price for non-cooperative exporters from Vietnam is worked out as US\$***'000 Pcs. Adjustments duly verified for cooperating exporter, Ritek Vietnam as stated above are adopted to arrive at the net export price. Thus, the net export price at ex-factory level for non-cooperative exporters from Vietnam is determined as US\$ ***'000 Pcs. for BOS packing.

Export price for non cooperating exporters from Malaysia

36. As no exporter from Malaysia has cooperated and no other interested party has made any submission on the export price determined by the Authority in preliminary findings No.14/16/2009-DGAD dated 13th November 2009, the Authority adopts the same net export price for exporters of Malaysia for the purpose of Final Findings as well. Thus, the net export price for all exporters from Malaysia is determined as under:-

Value in US\$ per'000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	No imports	No imports

Export price for non-cooperating exporters from Thailand

37. As no exporter from Thailand has cooperated and no other interested party has made any submission on the export price determined by the Authority in preliminary findings No.14/16/2009-DGAD dated 13th November 2009, the Authority adopts the same net export price for exporters of Thailand for the purpose of Final Findings as well. Thus, the net export price for all exporters from Thailand is determined as under:-

Value in US\$ per"000 Pcs.

Normal value	Cake box	BOS
DVD-R	***	***
DVD-RW	No imports	No imports

D.3 Dumping Margin

38. There is sufficient evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

39. On the basis of comparison of normal values and export prices as determined above, the dumping margin is determined as under: -

Vietnam

Value in US\$ per"000 Pcs.

	Ritek Vietnam	Non co-operative exporters
Normal Value	***	***
Export Price	***	***
Dumping Margin	29.75	50.51
Dumping Margin(%)	30.10	64.09

Malaysia

Value in US\$ per"000 Pcs.

	DVD R		Weighted Average
	BOS	Cake Box	
Normal Value	***	***	***
Export Price	***	***	***

Dumping Margin	37.53	(21.79)	35.92
Dumping Margin(%)	36.14	(13.18)	34.05

Thailand

Value in US\$ per"000 Pcs.

	DVD R
	BOS
Normal Value	***
Export Price	***
Dumping Margin	25.98
Dumping Margin(%)	22.51

The dumping margins so determined are significant and above de minimis level.

E. Methodology for injury determination and examination of Causal link

40. As regards injury and causal link, the Authority notes that no interested party other than the petitioner has made any submission in this regard after preliminary findings and disclosure. Therefore, the Authority therefore confirms its preliminary findings on injury determination and determination of causal link. Accordingly, the Authority proceeds with final determination of injury and causal link as under:-

E.1 Injury Determination

41. For the purpose of injury analysis the entire imports from the subject countries have been treated as dumped imports.

Submissions by the Domestic Industry

42. The domestic industry raised the following arguments:

- Imports of the product under consideration have significantly increased in absolute terms and in relation to production in India.
- The average imports per month increased significantly even within the proposed period of investigation.
- The imports are significantly undercutting the prices of domestic industry. Resultantly, imports were depressing the prices of the domestic industry in the market.
- Even though capacity, production and sales increased over the period, the increase in these parameters was a result of significant increase in demand

anticipated earlier for the product. However, the domestic industry lost market share.

- (e) Profitability of the domestic industry has significantly declined over the period because of significant price pressure created by the imports.
- (f) Return on investment and cash flow have also deteriorated significantly over the period. The domestic industry is faced with negative return.
- (g) Inventories with the domestic industry have increased significantly.
- (h) Injury to the domestic industry is being caused by the dumped imports considering that the only reason for reduction in selling price is the decline in import prices.

Examination by the Authority

43. The Authority has noted the views expressed by the domestic industry and examined the mandatory factors for the purpose of final injury determination and causal link analysis in these findings.

E.2 Cumulative assessment of injury

44. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that

- (a) The volume of imports from individual countries are above de minimis;
- (b) The dumping margin against individual countries is above 2%; and
- (c) Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles

45. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from several countries, including the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- i) The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the de minimis limit;
- ii) The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the de minimis;
- iii) Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

46. In view of the above, the Authority notes that cumulative assessment of injury is appropriate in this case as the exports of individual products from the subject countries

are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

E.3 Examination of Injury and Causal Link

47. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

48. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

49. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under.

E.4 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

a) Import Volumes

50. DVD is specifically importable under Customs Tariff Head 8523.40.80. The transaction-wise data of imports from Impex Statistics shows that the imports have been made under different custom tariff heads. Data from IMPEX Statistics have been relied upon for analysis.

51. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

52. For the purpose of injury analysis the Authority has relied on transaction wise import data procured from IMPEX Statistics. From the data it has been observed that imports of DVD R constitutes bulk of imports. It has also been observed that imports were made in various packing i.e. Cake box and BOS . However, mainly imports were in pack of BOS.

53. Volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analysed as under:-

a) Import Volumes and share of subject country

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Imports –Volume					
Vietnam	in'000 Pcs	-	-	-	57,560
Malaysia	in'000 Pcs	339	1,034	9,603	14,249
Thailand	in'000 Pcs	88	4,188	1646	8,088
Subject countries	in'000 Pcs	427	5,222	11,249	79,897
Countries attracting ADD	in'000 Pcs	40,960	42,553	67,635	24,565
Other Countries	in'000 Pcs	2,186	5,709	7,397	10,654
Total Imports	in'000 Pcs	43,574	53,485	86,280	115,117
Total Imports	in'000 Pcs	43,574	53,485	83,962	115,117
Market Share in Imports (volume basis)					
Subject countries	%	0.98	9.76	13.04	69.41
Countries attracting ADD	%	94.00	79.56	78.39	21.34
Other Countries	%	5.02	10.67	8.57	9.26
Imports from subject countries in relation to production	%	0.07	0.56	1.01	4.97
Imports from subject countries in relation to consumption	%	0.64	4.13	4.09	16.80

54. The data shows imports from subject countries increased from 4.27 Lacs in 2005-06 to 798.97 lac pieces during POI, indicating sharp increase of 187 times in imports during POI as compared to base year. As compared to immediate preceding year, the imports increased by 7 times. It has also been observed that imports of DVD was made in different packed forms. However, mainly imports were made in bulk package which constitute 99.49% of the total imports. The other packages were in cake box. It has been observed that imports have increased in absolute term, in relation to production and consumption.

b) Demand, Output and Market shares**i) Growth In Demand**

Demand	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Sales of Domestic Industry-Domestic sale	in'000 Pcs	21,270	71,055	188,727	360,375
Sales of Other Indian Producers	in'000 Pcs	1,917	1,845	-	-

Subject countries-Imports					
Vietnam	in'000 Pcs	-	-	-	57,560
Malaysia	in'000 Pcs	339	1,034	9,603	14,249
Thailand	in'000 Pcs	88	4,188	1,646	8,088
Subject countries-Imports	in'000 Pcs	427	5,222	11,249	79,897
Countries Attracting ADD-Imports	in'000 Pcs	40,960	42,553	67,635	24,565
Other Countries-Imports	in'000 Pcs	2,186	5,709	7,397	10,654
Total Demand/Consumption	in'000 Pcs	66,761	126,385	275,007	475,492

55. Demand of subject goods has been determined by addition of domestic sales of Indian industry and imports from all countries. From the data, it has been observed that the demand for the subject goods had been growing from base year to POI. The data indicates that the demand grew in POI by 7 times as compared to base year and by 73% as compared to immediate preceding year.

ii) Production of the Domestic Industry

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Capacity Utilization					
Capacity	Lac Pcs	9,885	13,791	15,432	16,087
Production	Lac Pcs	6,435	9,344	11,101	12,171
Capacity Utilization	%	65.10	67.75	71.94	75.66

56. The above data shows that capacity of the domestic industry has been increasing every year. Similarly production also shows healthy growth. In POI, the production grew by 89% as compared to base year and 10% as compared to immediate preceding year. It has further been noted that the domestic industry has significant export sales which has increased by 49% as compared to base year. However, it declined slightly in POI (approximate 5%) as compared to immediate preceding year. The Authority observed that the increase in capacity and production was on account of exports as well as domestic sales. However, the domestic industry is left with significant idle capacity.

iii) Sales of Domestic Industry

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Domestic Sales	Lac Pcs.	213	711	1,887	3,604
Export Sales	Lac Pcs.	5,613	7,778	8,847	8,368

57. The data on sales indicates that the domestic industry sold 213 Lac Pcs of subject goods during 2005-06 and the same increased to 3,604 Lac Pcs during POI. The sale of domestic industry has been increasing throughout the injury period.

iv) Demand and Market Share :

58. Both the demand as well as market share of domestic product has been continuously increasing from the base year to the POI.

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Sales of Domestic Industry	in'000 Pcs	21,270	71,055	188,727	360,375
Sales of Other Indian Producers	in'000 Pcs	1,917	1,845	-	-
Subject countries-Imports					
Vietnam	in'000 Pcs	-	-	-	57,560
Malaysia	in'000 Pcs	339	1,034	9,603	14,249
Thailand	in'000 Pcs	88	4,188	1,646	8,088
Subject countries-Imports	in'000 Pcs	427	5,222	11,249	79,897
Countries Attracting ADD-Imports	in'000 Pcs	40,960	42,553	67,635	24,565
Other Countries-Imports	in'000 Pcs	2,186	5,709	7,397	10,654
Total Demand/Consumption	in'000 Pcs	66,761	126,385	275,007	475,492
Market Share in Demand					
Sales of Domestic Industry	%	31.86	56.22	68.63	75.79
Sales of Other Indian Producers	%	2.87	1.46	-	-
Subject countries					
Vietnam	%	-	-	-	12.11
Malaysia	%	0.51	0.82	3.49	3.00
Thailand	%	0.13	3.31	0.60	1.70
Subject countries-Imports	%	0.64	4.13	4.09	16.80
Countries Attracting ADD-Imports	%	61.35	33.67	24.59	5.17
Other Countries-Imports	%	3.28	4.52	2.69	2.24

59. The demand of subject goods in the domestic industry has shown rising trend. From 667 lac pieces in the base year, the demand increased to 4755 lac pieces in POI. The demand in POI grew by 7 times (612%) as compared to base year and 73% as compared to immediate preceding year. From the base year to POI, market share of the domestic industry increased from 31.86% to 75.79% and as compared to immediate preceding year, the market share increased from 68.63% to 75.79%. The share of the subject countries from base year increased from 0.64% to 16.80% and as compared to immediate preceding year it increased from 4.09% to 16.80%. It has further been noted that countries which were subjected to anti dumping duties, their share declined significantly from 61.35% in base year to 5.17% in POI.

(c) Price Effect of the Dumped imports from subject countries on the Domestic Industry

(i) Evaluation of export price over the injury analysis period

Export Price	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Vietnam	Rs./Pc	-	-	-	4.72
Malaysia	Rs./Pc	3.96	3.65	3.86	4.92
Thailand	Rs./Pc	10.03	3.74	3.73	5.42
Subject Countries	Rs./Pc	5.21	3.72	3.84	4.82

60. The data on export price shows that prices from subject countries have declined from base year to POI. It has been observed from the data that the prices declined significantly from base year to POI. As compared to immediate preceding year, however, the prices increased by approximately Rs.98 paisa for subject countries together i.e. an increase of about 26%. For individual subject countries as well, the prices increased from immediate preceding year to POI. It has further been noted that the prices of major raw material i.e. Polycarbonate remained same in 2007-08 and POI as per the data of the domestic industry (the polycarbonate prices as per World Trade Atlas for imports to the subject countries were abnormally high, therefore, no meaningful comparison could be made).

(ii) Price undercutting and underselling effects

Calculation of Price undercutting for Malaysia					
Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	339	1,034	9,603	14249
Assessable value	Rs/Pc.	3.96	3.65	3.86	4.97
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.04	0.04	0.04	0.05

CIF export price	Rs/Pc.	3.92	3.61	3.82	4.92
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-	-	0
Landed price of imports	Rs/Pc.	3.92	3.61	3.82	4.92
Net Selling Price	Indexed	100	90.20	74.63	69.73
Price Undercutting	Indexed	100	88.44	53.54	18.16
Price Undercutting (%)	% range	50-55	47-52	35-40	10-15

Calculation of Price undercutting for Thailand

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	88	4,188	1646	8,088
Assessable value	Rs/Pc.	10.03	3.74	3.73	5.47
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.10	0.04	0.04	0.05
CIF export price	Rs/Pc.	9.93	3.70	3.69	5.42
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-	-	0
Landed price of imports	Rs/Pc.	9.93	3.70	3.69	5.42
Net Selling Price	Indexed	100	90.20	74.63	69.73
Price Undercutting	Indexed	(100)	206.78	135.59	15.25
Price Undercutting (%)	% range	(20-25)	45-50	35-40	2-7

Calculation of Price undercutting for Vietnam

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	No imports	No imports	No imports	57,560
Assessable value	Rs/Pc.				4.76
Landing Charge 1%	Rs/Pc.				0.05
CIF export price	Rs/Pc.				4.72
Customs Duty (Rate)	%				0%
Customs Duty	Rs/Pc.				-
Landed price of imports	Rs/Pc.				4.71
Net Selling Price	Indexed				100
Price Undercutting	Indexed				100
Price Undercutting (%)	% range				14-19

Calculation of Price undercutting for Subject Countries					
Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Volume of Imports	Volume(000)	427	5,222	11,249	79,897
Assessable value	Rs/Pc.	5.21	3.72	3.84	4.87
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.05	0.04	0.04	0.05
CIF export price	Rs/Pc.	5.16	3.68	3.80	4.82
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-	-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.	5.16	3.68	3.80	4.82
Net Selling Price	Indexed	100	90.20	74.63	69.73
Price Undercutting	Indexed	100	122.67	76.33	29.00
Price Undercutting (%)	% range	30-40	45-50	35-40	12-17

61. Further the price undercutting was examined package wise for the subject countries for the product under consideration package wise for the POI, the table below shows that there is positive undercutting.

		DVD-R	
		BOS	Cake Box
Volume of Imports	Volume(000)	79,487	410
Assessable value	Rs./Lacs	3,858.71	34.58
Assessable value	Rs/Pc.	4.85	8.43
Landing Charge 1%	Rs/Pc.	0.05	0.08
CIF export price	Rs/Pc.	4.81	8.34
Customs Duty (Rate)	%	0%	0%
Customs Duty	Rs/Pc.	-	-
Landed price of imports	Rs/Pc.	4.81	8.34
Net Selling Price	Indexed	100	130
Price Undercutting	Indexed	100	(539)
Price Undercutting (%)	% Range	1 to 10	(-) 20 to 30

62. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries have been examined with reference to the price undercutting and price underselling, if any. For the purpose of this analysis the weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry have been compared with the landed value of imports from the subject countries.

63. In determining the weighted net sales realization of the domestic industry, the rebates, discounts and commissions offered by the domestic industry and the central excise duty paid have been rebated.

64. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed value of dumped imports from the subject countries over the entire period of investigation with the weighted average net sales realization of the domestic industry for the same period. For this purpose, imports have been segregated in packed form and bulk form. The landed value of imports has been calculated by adding (for the relevant years) 1% handling charge (basic customs duty for the PUC is zero) to the value reported in the import data of import prices from the subject countries. The weighted average undercutting from subject countries during POI was in the range of 10-20%.

65. For the purpose of price underselling determination the weighted average landed prices of imports from subject countries have been compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the POI. The weighted average underselling in respect of BOS was in the range of 55-75% and in respect of Cake box was in the range of 15-25%.

(iii) Price suppression and depression effects of the dumped imports:

66. It has been noted that the selling price of the domestic industry declined by 30% in POI as compared to base year. As compared to immediate preceding year, the price declined by 7% paisa indicating that there was price depression. The price suppression effect of the dumped imports has also been examined with reference to the cost of production and net sales realization of the domestic industry. It has been noted that the cost of sales declined by 65 paisa in POI as compared to immediate preceding year where as the selling price declined by 40 paisa in the same period indicating that the domestic industry had to reduce the price, however, the price declined was less than that of decline in cost of sales thereby the domestic industry could reduce the loss in the domestic sales.

E.5 Examination of other Injury Parameters

67. After having examined the effect of dumped imports on the volumes and prices of the domestic industry and injury indicators like volume and value of imports, capacity, output, capacity utilization and sales of the domestic industry as well as demand pattern with market shares of various segments in the earlier section, other economic parameters which could indicate existence of injury to the domestic industry have been analyzed hereunder as follows:-

Profits and actual and potential effects on the cash flow

	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Sales (NSR)	Indexed	100	90	75	70
Cost to make and sell	Indexed	100	77	87	80
Profit before tax	Indexed	(100)	(142)	(212)	(180)
Profits before interest	Indexed	(100)	(763)	(3469)	(5091)
Total Profit before tax	Indexed	(100)	(476)	(1871)	(3027)
Cash profit	Indexed	100	139	(178)	(224)

68. The data shows that cost of sales of the domestic industry declined significantly over the injury period. From 2005-06 to POI, the cost to make and sell declined by Rs.1.68/pc due to declining conversion cost and of raw materials other than polycarbonate. During the same period, the selling price declined by Rs.2.47/pc indicating disproportionate reduction in selling price as compared to cost of sales. However, as compared to immediate preceding year, the loss per unit declined on account of higher decline in cost of sales as compared to decline in selling price. The loss per unit (indexed) increased from -100 in the base year to -179 in the POI, as compared to immediate preceding year the loss declined from -211 to -179. Similarly, Profit before interest and tax (PBIT) (indexed) increased from -100 to -5090 in POI as compared to base year. The profit before tax declined on consistent basis throughout the injury period. The loss incurred by the domestic industry during the POI has increased manifolds. The domestic industry has suffered a negative cash profit both during POI and preceding year 2007-08 and cash losses have increased during POI.

Return on Capital Employed

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Net Fixed Assets	Indexed	100	255	564	906
Working Capital	Indexed	100	231	854	1116
Total Capital Employed(on NFA basis)	Indexed	100	249	629	953
Return on Capital Employed-NFA	Indexed	(100)	(306)	(552)	(712)

69. The above data on return on capital employed shows that return declined very steeply over the injury period.

Employment and wages

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	POI
Employees	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	92	90
Wages	Lakhs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	161	233	236

70. The manufacturing facility of the domestic industry covers both subject goods and other products not covered in this investigation. The number of employees has been taken for plant as a whole. The above data shows that number of employees has decreased by 9.69% during POI as compared to base year. The wages however increased from (indexed) from 100 in the base year to 236 in POI and wages per employee has increased 100 in base year to 262 in POI.

Productivity

71. The productivity per employee measured as production per employee has improved significantly from base year to POI. It has gone up (indexed) from 100 in base year to 209 in POI.

Inventories

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Opening	Lac Pcs	646	1,195	2,005	2,314
Closing	Lac Pcs	1,195	2,005	2,314	2,503
Average	Lac Pcs	920	1,600	2,160	2,408
Stock as no. of days of sales	Days	58	69	73	73

72. The above data shows that the average inventory increased significantly over the years. Inventories measures in term of sale days also increased from base year to POI though there was no change in POI as compared to immediate preceding year. The inventory however is not correct indicator for the injury analysis in this case as the inventory calculated includes the inventory lying in warehouses though already allocated for export purpose.

Growth

73. The growth in demand shows positive trend from base year to POI on year-to-year basis. The growth in production and sales were positive. However, cost, selling price, profitability and return on investment shows negative trend.

Growth Compared to Previous Year		2006-07	2007-08	2008-09
Production	%	45.22	18.80	46.19
Domestic Sales Volume	%	234.06	65.61	154.60
Selling price domestic	%	(9.81)	17.23)	(6.59)
Cost of sales domestic	%	(4.97)	(8.15)	(8.54)
Average stock	%	73.86	34.95	11.53
Return on capital employed (NFA basis)	%	(2.66)	(3.16)	(2.07)

Investment

74. The Authority notes that the domestic industry had infused fresh capital to increase the capacity for subject goods and other goods during the injury period.

Magnitude of Dumping

75. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margins determined against the subject countries for the POI, are significant.

Factors affecting prices

76. The Authority notes that the cost of sales declined during the injury period. From 2005-06 to POI, the cost to make and sell declined by Rs.1.68/pc. As compared to immediate preceding year, the cost to make and sell declined by 65 paisa per piece. The landed value from subject countries though has declined from base year to POI, however as compared to immediate preceding year it has increased by 75 paisa. It has further been noted that though the landed value from subject countries has increased in POI as compared to immediate preceding year, however, there is a significant undercutting of the selling price of the domestic industry, by imports from subject countries. It has further been noticed that earlier the domestic industry was facing undercutting from the other countries which has since been subjected to anti dumping duty on 23.7.2008. Moreover, the domestic industry has suffered significant priceselling.

E.6 Conclusion on Injury parameters

77. The capacity and production of the domestic industry has improved consistently from base year to POI. In this regard, it has been noted that the domestic industry is not only catering to the demand in the domestic market but also catering to the export market. In fact, the domestic sale of the domestic industry is 30% of the total sales in

the POI. The domestic sale of the domestic industry has also improved from base year to POI. The demand of the product in the domestic market has shown consistent growth and the domestic industry has improved its share in the domestic market to 76% in POI as compared to 32% in the base year and 69% in immediate preceding year, indicating that the domestic industry has been able to capture the market share and has taken advantage of growth in demand. However, the domestic industry is still left with idle capacity.

78. The cost of sale of the product though has declined significantly from base year to POI, however the selling price also declined. The relative decline in selling price was more as compared to corresponding decline in cost of sales. The domestic industry was suffering loss in the domestic sales in POI and continues to make loss in injury period. The loss per unit however declined in POI as compared to immediate preceding year. The Losses (PBIT) increased from base year to POI. From a position of positive cash-profit during the base year, the domestic industry was suffered negative cash profit both during 2007-08 and 2008-09 (POI).

79. The analysis of above economic parameters indicates that the domestic industry though has taken advantage of growth in demand, but continue to make loss in the domestic sales and consequently suffered the injury.

E.7 Other Known factors and Causal Link

80. The Authority has also examined the other non-attribution factors as laid down in the Rules to analyse the injury if any caused by other factors. In this regard the following indicative factors as laid down in the Rules have been examined.

i) Volume and prices of imports from other sources

81. During POI, imports from countries not under investigation constitute 9.25% of the total imports. The imports from one country was also undercutting the selling price of the domestic industry. However, it constitutes only 1.3% of total imports during the POI. The other countries (China, Hong Kong and Chinese Taipei) which are undercutting the prices of the domestic industry have already been subjected to anti dumping duty. Therefore, the imports from other countries cannot be considered as causing injury to the domestic industry.

ii) Contraction in demand, change in pattern of consumption and Development of technology

82. Because of development of further technology and new product in the market, the consumption pattern of the subject goods is undergoing change in favour of this product. In India the subject goods have shown robust growth during the injury period. Therefore, the change in patter of consumption and contraction of demand cannot be considered as a factor causing injury to domestic industry.

iii) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

83. The Authority notes that there is no restricted practice prevalent in the industry which could be attributed to the injury to the domestic industry.

iv) Export performance

Particulars	Unit	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09
Export Sales	Lac Pcs.	5613	7778	8847	8368
Cost of sales	Indexed	100	94	87	77
Selling Price	Indexed	100	88	69	89
Profit/Loss	Indexed	100	46	(61)	12

84. The Authority notes that the export volume of the domestic industry has been increasing till 2007-08 and marginally reduced in POI. The Authority also notes that the analysis of financial performance for the injury period has been done for the domestic sales only. Therefore, the export performance cannot be considered as a factor causing injury to the domestic industry.

v) Productivity of the Domestic Industry

85. Productivity of the domestic industry in terms of production per employee has improved significantly, therefore this cannot be a factor causing injury to the domestic industry.

86. No other factor, which could have possibly caused injury to the domestic industry, has come to the notice of the Authority.

Causal Link

87. The Authority notes that the domestic industry was facing dumped imports from China PR, Hong Kong and Chinese Taipei and were undercutting the selling price of the domestic industry. On 23rd July, 2008, these countries were subjected to anti dumping duty to neutralize the effect of dumped imports. The imports from subject countries sharply increased in POI as compared to immediate preceding year i.e. 2007-08. It has further been noted that the imports from subject countries were undercutting the selling price of the domestic industry significantly during the POI as well as in immediate preceding year. As a consequence of anti dumping duty on countries dumping the subject goods to India, the performance of the domestic industry should have improved. However, because of change of source of dumping, the financial performance of the domestic industry did not improve and losses of the domestic industry continued. It has further been noted that the export price from the subject countries have improved in POI

as compared to immediate preceding year. The domestic industry however had to reduce the selling price keeping in view the significant undercutting of the selling price. The continuing of losses has also impacted cash flow and return on capital employed and it continued to show negative trend. The Authority has not found any other factors other than dumped imports from the subject countries which could be attributed to the losses, indicating causal link between the dumped imports and injury to the domestic industry.

88. On the basis of the above examination it is concluded that the subject goods exported from the subject countries are at prices below their normal values, non injurious price of the domestic industry and the average net sales realization of the subject goods of the domestic industry, and have caused injury to the domestic industry indicating causal link between dumping of subject goods and injury to the domestic industry.

F. Conclusion

89. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that:

- a. The subject goods have been exported to India from the subject countries below its normal value;
- b. The domestic industry has suffered material injury;
- c. The injury has been caused by the dumped imports from subject countries.

G. Indian industry's interest & other issues

90. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

H. Recommendation

91. In view of the conclusion arrived at as above, Authority considers it necessary to recommend definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

92. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Column-8 of

the table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

S N	Tariff Heading	Description Of Goods	Country of Origin	Country of Export	Produc er	Exporter	Amount US\$/1000 pieces
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)
1	8523	*Digital Versatile Disc Recordable	Vietnam	Vietnam	M/s- Ritek Vietna m Co. Ltd	M/s- Ritek Vietnam Co. Ltd	29.75
2	Do	Do	Vietnam	Vietnam	Any other combination of producer and exporter other than at S. No. 1		50.51
3	Do	Do	Vietnam	Any country other than Vietnam and other than the country already subject to anti dumping duty vide SI.no.3 under Column 5 of the duty table in Notification No.8/2009-Customs dated 22.1.2009	Any	Any	50.51
4	Do	Do	Any country other than countries attracting anti dumping duty	Vietnam	Any	Any	50.51
5	Do	Do	Thailand	Thailand	Any	Any	25.98
6	Do	Do	Thailand	Any country other than Thailand and other than the country already subject to anti dumping duty vide SI.no.6 under Column 5 of the duty table in Notification No.8/2009- Customs dated 22.1.2009	Any	Any	25.98

7	Do	Do	Any country other than countries attracting anti dumping duty	Thailand	Any	Any	25.98
8	Do	Do	Malaysia	Malaysia	Any	Any	35.92
9	Do	Do	Malaysia	Any country other than Malaysia and other than the country already subject to anti dumping duty vide Sl.no.9 under Column 5 of the duty table in Notification No.8/2009-Customs dated 22-1.2009	Any	Any	35.92
10	Do	Do	Any country other than countries attracting anti dumping duty	Malaysia	Any	Any	35.92

*The product under consideration in the present investigation is Digital Versatile Disc Recordable of all kinds. Such product includes DVD-R, DVD+R, DVD-RW and DVD+RW.

93.. An appeal against this order, after its acceptance by the Central Government, shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

P. K. CHAUDHERY, Designated Authority